राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 16 जुलाई 2026 वर्ष-9,अंक-164 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

पंजाब कांग्रेस में घमासान को लेकर एक्शन मोड में आए राहुल गांधी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। विदेश दौरे से लौटते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पंजाब कांग्रेस में जारी नेतृत्व संकट को लेकर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक कर राज्य में बढ़ते संगठनात्मक विवाद और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा की। बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, पंजाब कांग्रेस में चल रही गुटबाजी और असंतोष को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने राज्य प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को दिल्ली तलब किया है। बघेल बुधवार को कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात कर पंजाब के राजनीतिक हालात और विभिन्न नेताओं से हुई बातचीत की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी राज्य के सभी प्रमुख नेताओं की राय सुनने के पक्षधर हैं और विधानसभा चुनाव से पहले संगठन में एकजुटता कायम करना चाहते हैं। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि आंतरिक मतभेदों और गुटबाजी के साथ चुनाव मैदान में उतरना कांग्रेस के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए विवाद को जल्द सुलझाने की कोशिश की जा रही है। दरअसल, पंजाब कांग्रेस में असंतोष का केंद्र अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बनाए रखने वाला फैसला बताया जा रहा है। इस निर्णय का पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा और विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने विरोध किया है। इन नेताओं का मानना है कि चुनाव से पहले संगठनात्मक बदलाव जरूरी है। भूपेश बघेल ने सौंपी रिपोर्ट इसी बीच भूपेश बघेल ने पिछले कुछ दिनों में पंजाब का दौरा कर पार्टी के विभिन्न गुटों और वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात की तथा संगठन की जमीनी स्थिति का आकलन किया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट कांग्रेस नेतृत्व को सौंप दी है और अब दिल्ली में विस्तृत जानकारी देंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि भूपेश बघेल की रिपोर्ट और राहुल गांधी-खड़गे की चर्चा के आधार पर पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व और संगठन को लेकर आगे की रणनीति तय की जाएगी। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के लिए राज्य इकाई में एकजुटता कायम रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता मानी जा रही है।

भारतीय मूल के अनिल मेनन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना

आठ महीने चलेगा वैज्ञानिकों का मिशन

नई दिल्ली ।

भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन मंगलवार को कजाकिस्तान से सोयूज एमएस-29 अंतरिक्ष यान के जरिए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए सफलतापूर्वक रवाना हो गए हैं। उनके साथ दो रूसी अंतरिक्ष यात्री, प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना भी इस आठ महीने लंबे मिशन का हिस्सा हैं। यह अंतरिक्ष यान भारतीय समयानुसार रात 8 बजकर 17 मिनट पर बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से प्रक्षेपित हुआ और पृथ्वी के दो चक्कर लगाने के बाद, रात 11 बजकर 56 मिनट पर स्वत- स्टेशन के प्रिचाल मॉड्यूल से जुड़ गया। यह अनिल मेनन की पहली अंतरिक्ष यात्रा है, जबकि उनके रूसी सहयात्री दूसरी बार अंतरिक्ष मिशन पर गए हैं।

प्रक्षेपण के दौरान अनिल मेनन की अंतरिक्ष यात्री पत्नी अन्ना विल्हेम समेत उनके परिवार के सदस्य और नासा के प्रशासक जेरेड आइज़ैकमैन बैकोनूर कॉस्मोड्रोम में मौजूद थे, जिन्होंने इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनकर उनका उत्साह बढ़ाया। अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने के बाद, ये तीनों यात्री नासा के अंतरिक्ष यात्रियों (जेसिका मीर, जैक हैथवे और क्रिस विलियम्स), यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की अंतरिक्ष यात्री सोफी एडेनोट, और रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री सर्गेई कुद-स्वेर्चकोव, सर्गेई मिकाएव और आंद्रेई फेद्यायेव के साथ मिलकर मिशन को आगे बढ़ाएंगे। यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य लगभग आठ महीने तक अंतरिक्ष में रहकर वैज्ञानिक अनुसंधान करना और नई प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करना है, जिसका लक्ष्य मानव अंतरिक्ष अन्वेषण को आगे बढ़ाना और पृथ्वी पर जीवन को लाभ पहुंचाने वाली तकनीकों का विकास करना है। तीनों की अप्रैल 2027 में पृथ्वी पर वापसी निर्धारित है।

फॉरेन करंसी रैकेट के खिलाफ छापेमारी

चेन्नई।

प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा की अवैध नकद सप्लाई से जुड़े रैकेट के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुधवार को चेन्नई में कई ठिकानों पर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट के तहत की जा रही है। जांच एजेंसियों ने पिछले सप्ताह चेन्नई में सेनेगल के एक नागरिक को लगभग 1 करोड़ रुपये मूल्य के अमेरिकी डॉलर के साथ पकड़ा गया था। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि विदेश से संचालित एक नेटवर्क के जरिए चेन्नई की कुछ स्थानीय संस्थाओं को नियमित रूप से विदेशी मुद्रा नकद में पहुंचाई जाती थी। इसी जानकारी के आधार पर ईडी ने कम से कम तीन ऐसे संस्थानों पर तलाशी अभियान शुरू किया है, जिन पर विदेशियों से नकद विदेशी मुद्रा प्राप्त करने का आरोप है।

विश्वप्रसिद्ध जगन्नाथ रथयात्रा की शुरुआत आज से

10 लाख से अधिक भक्तों के पहुंचने की उम्मीद

- प्रो मकबूल बोले- अलग रथ क्यों जबकि शरीर स्वयं रथ है, बुद्धि सारथी और आत्मा उसका स्वामी

पुरी।

ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की विश्वप्रसिद्ध रथयात्रा 16 जुलाई से शुरू होकर 24 जुलाई तक चलेगी। इस नौ दिवसीय धार्मिक उत्सव में देश-विदेश से 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। रथयात्रा को लेकर पुरी में तैयारियों का दौर अंतिम चरण में हैं, तो वहीं होटल और लॉज महीनों पहले ही पूरी तरह बुक हो चुके हैं। ऐसे में प्रोफेसर डॉ शेख मकबूल इस्लाम की चर्चा भी हो रही है, जो कठोपनिषद् के प्रसिद्ध श्लोक का हवाला देते हुए कहते हैं कि जब शरीर स्वयं रथ है, बुद्धि सारथी है और आत्मा उसका स्वामी है, तो अलग रथ की आवश्यकता नहीं। विश्वप्रसिद्ध रथ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को लेकर जिला प्रशासन का कहना है, कि इस वर्ष फरवरी से ही होटल बुकिंग शुरू हो गई थी। मंदिर और रथयात्रा मार्ग के आसपास स्थित होटलों की सर्वाधिक मांग रही है। खासकर जिन होटलों की बालकनी या खिड़कियां रथयात्रा मार्ग की तरफ खुलती हैं, उनके कमरे सबसे पहले बुक हो गए। जैसे ही मांग बढ़ी वैसे ही किराए में भी भारी उछाल आ गया। सामान्य दिनों में 1,500 से 2,000 रुपये प्रतिदिन से मिलने वाले कमरे रथयात्रा के दौरान तीन दिनों के लिए 50 हजार रुपये तक में बुक किए जा रहे हैं। पूरे पुरी शहर में लगभग 1,200 होटल और लॉज हैं, जिनमें अधिकांश पहले से बुक हो चुके हैं। हावड़ा की रथयात्रा ने खींचा ध्यान इसी बीच पश्चिम बंगाल के हावड़ा की एक अनोखी रथयात्रा भी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है।

दरअसल यहां न तो विशाल रथ बनाया जाता है और न ही उसे रस्सियों से खींचा जाता है। बल्कि कोलकाता के सेंट पॉल कैथेड्रल मिशन कॉलेज के बांग्ला विभाग के प्रोफेसर डॉ. शेख मकबूल इस्लाम भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन के विग्रह को अपनी गोद में लेकर करीब 400 मीटर की परिक्रमा करते हैं। इस अनूठी यात्रा में हिंदू, मुस्लिम और ईसाई समुदाय के लोग समान रूप से भाग लेते हैं। मीडिया रिपोर्ट के

अनुसार डॉ. शेख मकबूल इस्लाम वर्ष 1992 से भगवान जगन्नाथ पर शोध कर रहे हैं और इस विषय पर 14 से अधिक पुस्तकें लिख चुके हैं।

वर्ष 1996 से उनके घर में भगवान जगन्नाथ का विग्रह स्थापित है, जबकि 2009 से वे हर वर्ष इस विशेष परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं।

विधानसभा में अग्निशमन व्यवस्था पर सरकार घिरी

फायर स्टेशनों और वाहनों की कमी का मुद्दा उठा

रायपुर।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान प्रदेश की अग्निशमन व्यवस्था को लेकर सदन में गंभीर चर्चा हुई। भाजपा विधायक सुनील सोनी ने राष्ट्रीय फायर एडवाइजरी के मानकों का हवाला देते हुए सरकार से पूछा कि वर्तमान व्यवस्था के आधार पर क्या केवल तीन फायर स्टेशनों से प्रभावी अग्निशमन सेवाएं संचालित की जा सकती हैं। उन्होंने बढ़ते शहरी विस्तार और आगजनी की घटनाओं को देखते हुए फायर सर्विस को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।गृहमंत्री विजय शर्मा ने जवाब में कहा कि अग्निशमन व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए विभागीय स्तर पर कई कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में अग्निशमन सेवा से संबंधित नियम बनाए गए थे, लेकिन पिछली सरकार के कार्यकाल में आवश्यक भर्तियां नहीं की गईं, जिससे विभाग में संसाधनों और कर्मचारियों की कमी बनी रही।

मंत्री ने सदन को जानकारी दी कि रायपुर के उरला क्षेत्र में नया फायर स्टेशन बनाया जा रहा है। साथ ही अग्निशमन सेवाओं को मजबूत करने के लिए विभिन्न स्तरों पर आवश्यक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल प्रदेश में उपलब्ध 22 फायर वाहनों के माध्यम से सेवाएं संचालित की जा रही हैं। इस दौरान विधायक सुनील सोनी ने सरकार से यह भी जानना चाहा कि नए फायर वाहनों की खरीदी कब तक पूरी होगी। उन्होंने कहा कि शहरों की बढ़ती आबादी और औद्योगिक क्षेत्रों के विस्तार को देखते हुए आधुनिक

फायर वाहनों की तत्काल आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि वाहनों की खरीदी राष्ट्रीय फायर टावर और सुरक्षा मानकों के अनुरूप की जानी चाहिए। जवाब में गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि अप्रैल और मई माह में राजस्व विभाग से इस दिशा में आवश्यक राशि प्राप्त हुई है। वर्तमान में फायर वाहनों के मॉडिफिकेशन और अन्य तकनीकी प्रक्रियाओं पर काम चल रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद नई सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। चर्चा के दौरान सुनील सोनी ने कई पुराने फायर सब-स्टेशनों की जर्जर स्थिति का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अनेक भवन खंडहर जैसी हालत में पहुंच चुके हैं, जिससे आपातकालीन सेवाओं की क्षमता प्रभावित हो रही है। इस पर गृहमंत्री ने स्वीकार किया कि विभाग में मैनपावर की कमी एक बड़ी चुनौती है।

सम्राट कैबिनेट की अहम बैठक,कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर होगी चर्चा

पटना।

बिहार सरकार की सम्राट कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार शाम 5 बजे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित होगी।

मुख्य सचिवालय स्थित मंत्रिमंडल कक्ष में होने वाली इस बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी और उन पर मंजूरी की मुहर लगने की संभावना है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, बैठक में राज्य के विकास, प्रशासनिक सुधार, वित्तीय मामलों तथा विभिन्न विभागों की योजनाओं से संबंधित प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा। विभिन्न विभागों द्वारा भेजे गए एजेंडे को कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा, जिन पर विस्तार से चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा।

बैठक में राज्य सरकार के सभी मंत्री, मुख्य सचिव सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। माना जा रहा है कि आगामी विकास योजनाओं और जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों को भी कैबिनेट की स्वीकृति मिल सकती है।

कैबिनेट बैठक के बाद शाम 6 बजे आयोजित होने वाली आधिकारिक ब्रीफिंग में मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए फैसलों की जानकारी मीडिया को दी जाएगी। सरकार की ओर से विभिन्न प्रस्तावों और निर्णयों का विस्तृत ब्यौरा इसी ब्रीफिंग में साझा किया जाएगा।

राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसमें राज्य सरकार की कई प्राथमिकताओं से जुड़े प्रस्तावों पर अंतिम निर्णय लिए जाने की संभावना है।

सभी की नजरें अब कैबिनेट

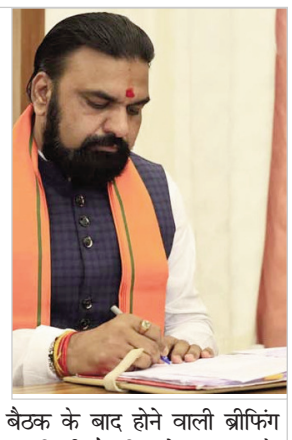

बैठक के बाद होने वाली ब्रीफिंग पर टिकी हैं, जिसमें सरकार के प्रमुख फैसलों का खुलासा होगा।

महिला आयोग अध्यक्ष पद को लेकर विवाद गहराया

किरणमयी नायक और ममता साहू आमने-सामने

रायपुर।

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पद को लेकर विवाद एक बार फिर सामने आ गया है। पूर्व अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक और नवनियुक्त अध्यक्ष ममता साहू ने एक-दूसरे के बयानों पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अपने पक्ष रखे हैं। डॉ. किरणमयी नायक ने कहा कि अध्यक्ष पद से जुड़ा मामला वर्ष 2023 से हाईकोर्ट में लंबित है और न्यायालय का स्थगन आदेश (स्टे) अभी भी प्रभावी है। उनका कहना है कि वह फिलहाल भी स्वयं को राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष मानती हैं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि वह कार्यालय जाकर किसी प्रकार का विवाद या टकराव नहीं करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस पूरे मामले में ममता साहू की व्यक्तिगत कोई गलती नहीं है, बल्कि कोर्ट में मामला लंबित होने के बावजूद अधिकारियों द्वारा आगे की कार्रवाई की गई। उनके अनुसार, केवल राजनीतिक निर्णय से नियुक्ति प्रभावी नहीं होती, बल्कि विभागीय और वैधानिक प्रक्रिया पूरी होना भी आवश्यक है। डॉ. नायक ने कहा कि यदि न्यायालय के आदेशों की अनदेखी हुई है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अवमानना (कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट) की कार्रवाई की जाएगी और उनके अधिवक्ता इस संबंध में याचिका दायर करेंगे। वहीं, नवनियुक्त अध्यक्ष ममता साहू ने डॉ. किरणमयी नायक के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह उनका सम्मान करती हैं और उन्हें वरिष्ठ मानती हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें हाईकोर्ट से किसी प्रकार का रोक संबंधी आदेश प्राप्त नहीं हुआ है तथा उन्होंने राज्य सरकार के विधिवत आदेश के आधार पर अध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण किया है। ममता साहू ने कहा कि डॉ. किरणमयी नायक का कार्यकाल 12 जुलाई को समाप्त हो चुका है।

मंजिला बिल्डिंग में आग,2 की मौत

नोएडा।

नोएडा में बुधवार दोपहर 5 मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा और एक युवती गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि बिल्डिंग में ग्राउंड फ्लोर पर इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी, इसी दौरान उसमें धमाका हुआ और आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई। आग में कई बाइकें जल गईं। फायर ब्रिगेड की 7 गाडियां मौके पर पहुंची हैं। बिल्डिंग में रहने वाले करीब 50 परिवारों के 100 से अधिक लोगों का रेस्क्यू किया जा रहा है। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें दिख रहा है कि दो इमारतों की छतों के बीच सीढ़ियां लगाई गई हैं। इन्हीं के सहारे लोग दूसरी बिल्डिंग में जा रहे हैं। फिलहाल, पुलिस ने बिल्डिंग मालिक को हिरासत में ले लिया है। आग सेक्टर-66 के ममूरा इलाके में लगी है। यह भीड़भाड़ वाला इलाका है। यहां नौकरी कर रहे लोग परिवार के साथ रहते हैं।

बोस्टन में भारतीय नौसेना ने की परेड,आईएनएस सुदर्शिनी पोत का किया प्रदर्शन

परेड में समुद्री परंपराओं, नौवहन इतिहास और सांस्कृतिक पहचान की झलक

बोस्टन।

अमेरिका के बोस्टन में भारतीय नौसेना के जवानों ने कदमताल किया। दरअसल अमेरिका में यह परेड नौकायन पोत आईएनएस सुदर्शिनी द्वारा भारत की समृद्ध समुद्री विरासत और सांस्कृतिक परंपराओं का एक भव्य प्रदर्शन था। यह पोत दुनिया भर के 20 से ज्यादा देशों के 60 से ज्यादा विशाल नौकायन पोतों के साथ प्रतिष्ठित 'सेल बोस्टन 2026' समारोह में भाग ले रहा है। बोस्टन की सड़कों पर आयोजित क्रू एवं कैडेट सिटी परेड में आईएनएस सुदर्शिनी के चालक दल और प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्ण यह मार्च किया। भारतीय दल की अनुशासित और आकर्षक प्रस्तुति ने स्थानीय नागरिकों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों का ध्यान खींचा। परेड के दौरान भारत की समुद्री परंपराओं, नौवहन इतिहास और सांस्कृतिक पहचान की झलक देखने को मिली।

रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक इस सहभागिता ने भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चले आ रहे समुद्री सहयोग को और मजबूत करने का संदेश दिया। साथ ही यह भी दर्शाया कि समुद्र केवल व्यापार और सुरक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि देशों और समाजों को जोड़ने वाला एक सशक्त सेतु है। इससे पहले आईएनएस सुदर्शिनी ने न्यूयॉर्क में आयोजित भव्य 'सेल फोर्थ 250' समारोह में हिस्सा लेकर हजारों दर्शकों के बीच भारतीय तिरंगे की शान बढ़ाई थी। न्यूयॉर्क में अपनी सफल उपस्थिति दर्ज कराने के बाद यह पोत बोस्टन पहुंचा। यहां दुनिया के कई देशों के पारंपरिक नौकायन पोत एक साथ समुद्री विरासत का उत्सव मना रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 'लोकायन 2026' अभियान के तहत आईएनएस सुदर्शिनी अमेरिका के कई बंदरगाहों की यात्रा कर रहा है। इस अभियान का उद्देश्य भारत की समुद्री विरासत, नौवहन परंपराओं और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के संदेश को दुनिया तक पहुंचाना है। नॉरफॉक से बोस्टन तक की यात्रा में पोत ने भारतीय संस्कृति, मित्रता और सद्भावना का संदेश भी प्रसारित किया। भारतीय नौसेना का यह नौकायन पोत जहां भी पहुंच रहा है, वहां भारत की समुद्री शक्ति, सांस्कृतिक समृद्धि और वैश्विक साझेदारी की नई कहानी लिख रहा है।

बोस्टन में उसकी मौजूदगी ने एक बार फिर साबित किया कि भारत की समुद्री विरासत केवल इतिहास का हिस्सा नहीं, बल्कि

आज भी दुनिया को जोड़ने वाली एक जीवंत शक्ति है। बता दें आईएनएस सुदर्शिनी भारतीय नौसेना का पाल वाला पोत है। प्राचीन जहाज निर्माण पद्धति पर आधारित इस पोत का इस्तेमाल प्रशिक्षण, समुद्री जागरूकता और अंतरराष्ट्रीय सद्भावना यात्राओं के लिए किया जा रहा है। वर्तमान में यह पोत लोकायन 2026 वैश्विक समुद्री अभियान पर है। इसके तहत कई अलग-अलग देशों के बंदरगाहों का दौरा कर भारत की समुद्री विरासत, संस्कृति और नौसैनिक परंपराओं का प्रचार-प्रसार कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला आरक्षण का ऐतिहासिक क्षण सामने

सच्चाई यह है कि कांग्रेस सरकार के दौरान महिला आरक्षण विधेयक को आगे बढ़ाने का प्रयास अवश्य हुआ। राज्यसभा में इसे पारित भी कराया गया था। लेकिन लोकसभा में इसे अंतिम मंजूरी नहीं मिल सकी। इसके पीछे सहयोगी दलों के विरोध और विभिन्न राजनीतिक समीकरणों का हवाला दिया गया। कुछ दल आरक्षण के भीतर आरक्षण की मांग कर रहे थे जबकि कुछ अन्य दलों ने इसका खुला विरोध किया। कांग्रेस इन मतभेदों को दूर करने और आवश्यक राजनीतिक सहमति बनाने में सफल नहीं हो सकी।

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

अब राजनीति से ऊपर उठकर लोकतंत्र में आधी आबादी को पूरा सम्मान देने का समय

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में कुछ ऐसे अवसर आते हैं जो केवल कानून बनाने की प्रक्रिया नहीं होते बल्कि सामाजिक परिवर्तन की नई दिशा तय करते हैं। महिला आरक्षण का प्रश्न भी ऐसा ही विषय है। वर्षों से देश की आधी आबादी संसद और विधानसभाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व की मांग करती रही है। अनेक सरकारें आईं और गईं। अनेक समितियां बनीं। अनेक बार विधेयक प्रस्तुत हुआ। बहसें हुईं। समर्थन और विरोध के स्वर भी सुनाई दिए। लेकिन यह सपना हर बार अधूरा रह गया। अब परिस्थितियां बदलती दिखाई दे रही हैं। संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले राजनीतिक माहौल यह संकेत दे रहा है कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को वास्तविकता का रूप देने की तैयारी तेज हो चुकी है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष भी सकारात्मक रुख अपनाता दिखाई दे रहा है। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर सरकार को समर्थन देने की घोषणा कर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि महिलाओं के अधिकार किसी दल की राजनीति का विषय नहीं होने चाहिए। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया है कि वे इस ऐतिहासिक पहल में सहयोग करें ताकि वर्षों से लंबित यह सपना अब पूरा हो सके। यह परिपक्व लोकतंत्र की पहचान है कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर सर्वसम्मति बनाई जाए।

महिला आरक्षण का विचार नया नहीं है। इसकी चर्चा तीन दशक से अधिक समय से होती रही है। पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं को आरक्षण मिलने के बाद यह सिद्ध हो चुका है कि अवसर मिलने पर महिलाएं नेतृत्व की नई मिसाल कायम करती हैं। लाखों महिला जनप्रतिनिधियों ने गांव और शहर के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। यही अनुभव अब संसद और विधानसभाओं तक पहुंचाने का समय है।

भारत की आबादी में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग आधी है लेकिन संसद और अधिकांश विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी बहुत कम है। लोकतंत्र तभी मजबूत माना जाएगा जब निर्णय लेने वाली संस्थाओं में समाज के सभी वर्गों की समान भागीदारी हो। महिला आरक्षण इसी लोकतांत्रिक संतुलन को स्थापित करने की दिशा में सबसे बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस बार राजनीतिक परिस्थितियां पहले से अलग हैं। सरकार स्पष्ट रूप से महिला आरक्षण लागू करने की इच्छा जता रही है। विपक्ष का बड़ा हिस्सा भी इसका समर्थन कर रहा है। ऐसे में वर्षों से चली आ रही राजनीतिक खींचतान समाप्त होती दिखाई दे रही है। यदि सभी दल सहयोग करें तो यह विधेयक आसानी से पारित हो सकता है और भारतीय लोकतंत्र में एक नया अध्याय जुड़ सकता है।

अब प्रश्न यह भी उठता है कि जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के पास लंबे समय तक सत्ता रही और कई अवसरों पर मजबूत राजनीतिक स्थिति भी थी तब महिला आरक्षण का सपना पूरा क्यों नहीं हो सका। यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस लंबे समय से स्वयं को महिला अधिकारों की समर्थक पार्टी बताती रही है।

सच्चाई यह है कि कांग्रेस सरकार के दौरान महिला आरक्षण विधेयक को आगे बढ़ाने का प्रयास अवश्य हुआ। राज्यसभा में इसे पारित भी कराया गया था। लेकिन लोकसभा में इसे अंतिम मंजूरी नहीं मिल सकी। इसके पीछे सहयोगी दलों के विरोध और विभिन्न राजनीतिक समीकरणों का हवाला दिया गया। कुछ दल आरक्षण के भीतर आरक्षण की मांग कर रहे थे जबकि कुछ अन्य दलों ने इसका खुला विरोध किया। कांग्रेस इन मतभेदों को दूर करने और आवश्यक राजनीतिक सहमति बनाने में सफल नहीं हो सकी। परिणाम यह हुआ कि विधेयक कानून नहीं बन पाया।

यही वह बिंदु है जहां कांग्रेस की राजनीतिक इच्छाशक्ति पर प्रश्न उठते हैं। यदि किसी सरकार की प्राथमिकता वास्तव में किसी ऐतिहासिक सुधार को लागू करना हो तो वह व्यापक संवाद स्थापित कर राजनीतिक सहमति बनाने का प्रयास करती है। महिला आरक्षण के मामले में यह प्रक्रिया पूरी मजबूती से आगे नहीं बढ़ सकी। कई अवसर ऐसे आए जब सरकार अधिक निर्णायक भूमिका निभा सकती थी लेकिन राजनीतिक जोखिम उठाने से परहेज किया गया। इसलिए यह कहना उचित होगा कि केवल समर्थन व्यक्त करना पर्याप्त नहीं था बल्कि अंतिम परिणाम तक पहुंचना भी आवश्यक था।

आज की परिस्थिति में विपक्ष का समर्थन स्वागत योग्य है। यदि कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल बिना किसी शर्त के महिला आरक्षण के पक्ष में खड़े होते हैं तो यह देश के लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत होगा। इस विषय पर किसी प्रकार के राजनीतिक गिले शिकवे या पुराने विवादों को आगे बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है। यह समय श्रेय लेने का नहीं बल्कि इतिहास बनाने का है।

महिला आरक्षण केवल महिलाओं के लिए सीटें सुरक्षित करने की व्यवस्था नहीं है। यह राजनीति की कार्यशैली में व्यापक परिवर्तन का माध्यम भी बन सकता है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से शिक्षा स्वास्थ्य पोषण महिला सुरक्षा बाल कल्याण और सामाजिक विकास जैसे विषयों को अधिक प्राथमिकता मिलने की संभावना बढ़ेगी। विश्व के अनेक देशों का अनुभव भी यही बताता है कि महिलाओं की प्रभावी भागीदारी से लोकतांत्रिक संस्थाएं अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनती हैं।

यह भी याद रखना चाहिए कि आरक्षण का उद्देश्य किसी को विशेष लाभ देना नहीं बल्कि लंबे समय से चली आ रही असमानता को दूर करना है। समाज में महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता सिद्ध की है। विज्ञान खेल सेना न्यायपालिका प्रशासन उद्योग और अंतरिक्ष तक उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। अब राजनीति में भी समान अवसर देना समय की मांग है।

मानसून सत्र को लेकर जिस प्रकार राजनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं उससे उम्मीद जगी है कि इस बार केवल चर्चा नहीं होगी बल्कि ठोस परिणाम भी सामने आएगा। सरकार यदि पूरी तैयारी के साथ विधेयक लाती है और विपक्ष उसी सकारात्मक भावना के साथ सहयोग करता है तो यह भारतीय संसद की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिना जाएगा।

आज देश की करोड़ों महिलाएं इस ऐतिहासिक निर्णय की प्रतीक्षा कर रही हैं। वे केवल वादा नहीं बल्कि अधिकार चाहती हैं। वे केवल प्रतीकात्मक सम्मान नहीं बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में बराबरी की भागीदारी चाहती हैं। यही लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ भी है।

अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि महिला आरक्षण का सही समय आ चुका है। तीन दशकों से चली आ रही प्रतीक्षा समाप्त होने की ओर है। राजनीतिक दलों ने यदि परिपक्वता का परिचय दिया और राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखा तो आने वाला मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा। यह केवल एक कानून नहीं होगा बल्कि आधी आबादी के सम्मान समान अधिकार और सशक्त भविष्य का नया संकल्प होगा। यही वह अवसर है जब राजनीति को इतिहास रचना चाहिए और भारत को दुनिया के सामने यह संदेश देना चाहिए कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी समावेशी सोच और समान भागीदारी में निहित होती है।

(वरिष्ठ पत्रकारसाहित्य-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

पैसे के पीर टीटीई

सही मायने में कलकत्ता हाईकोर्ट ने ट्रेनों में टीटीई के उस सर्वमान्य भ्रष्ट आचरण को सार्वजनिक रूप से उजागर किया है, जिसे रेलयात्री कीमत चुकाने के बाद भी कहने में संकोच करते हैं। यात्रियों से खचाखच भरी ट्रेनों में अक्सर मुश्किल से सफर करने वाले यात्री खाली पड़ी बर्थ अलॉट करा लेते हैं। जिसके एवज में उन्हें टीटीई को किराये के अलावा अतिरिक्त पैसा भी देना पड़ता है। यह चलन देशभर में विभिन्न ट्रेनों में दिखायी देता है। लेकिन अक्सर यात्री अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचकर बात को आई-गई मान लेते हैं। लेकिन जब पैसे देकर अपराधियों को दी गई बर्थ के जरिये चलती ट्रेन में कोई बड़ा अपराध हो जाए तो मामला गंभीर हो जाता है। दरअसल, जस्टिस राजशेखर मंथा व जस्टिस बिस्वरूप चौधरी की बेंच साल 2009 में तीस्ता-तोरस एक्सप्रेस में हुई लूट और मौत के मामले में दो दोषियों की अपील पर सुनवाई कर रही थी। उस दौरान कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की कि टीटीई खाली बर्थ ऐसे बेचते हैं,जैसे बाजार में सब्जियां बिकती हैं। ऐसे में अपराधी खाली बर्थ खरीदकर आरक्षित कोच तक पहुंच बना लेते हैं। वे फिर यात्रियों के साथ घुल-मिलकर उन्हें लूट लेते हैं। अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि पैसे लेकर जनरल टिकट वाले यात्रियों को खाली बर्थ देने से अपराधियों को आरक्षित कोच के यात्रियों तक पहुंचने का मौका मिल जाता है। तीस्ता व तोरस केस में भी जो आपराधिक घटना हुई है, उसमें कई टीटीई ने अपनी जिम्मेदारी सही ढंग से नही निभायी। दरअसल, सत्रह साल पुराने केस में जलपाईगुड़ी से सियालदह जा रही तीस्ता-तोरसा एक्सप्रेस में जनरल टिकट पर सफर कर रहे दो बदमाशों ने टीटीई को पैसे देकर एस-8 कोच में खाली बर्थ ले ली थी। फिर इन्होंने खाने-पीने की चीजों में नशीला पदार्थ मिलाकर कुछ यात्रियों को बेहोश कर दिया और उनका सामान लूट लिया। घटना में जहरीले पदार्थ से सुनील कुमार दास की मौत हो गई थी, जबकि दूसरा लंबे समय अस्पताल में उपचार के बाद बच गया था। दरअसल, इस मामले में दोनों आरोपियों को दोषी पाया गया, लेकिन पुलिस द्वारा पर्याप्त साक्ष्य न जुटाए जाने के कारण सात साल की जेल के बाद कोर्ट को उन्हें रिहा करना पड़ा। कोर्ट ने टीटीई ही नहीं, पुलिस को भी लापरवाह माना क्योंकि मृतक का विसरा फॉरेंसिक जांच को नहीं भेजा गया। दूसरे यात्री के अस्पताल में उपचार के रिकॉर्ड भी नहीं जुटाए गए। फलत- हत्या के आरोप सिद्ध नहीं हो पाए। इस घटनाक्रम के बाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले की कॉपी पूर्वी रेलवे के महाप्रबंधक समेत देशभर के रेलवे अधिकारियों को भेजने को कहा। ताकि पैसे लेकर खाली बर्थ बेचने वाले टीटीई के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने कदाचार करने वाले रेलवे कर्मचारियों के खिलाफ अधिकतम कार्रवाई करने को कहा क्योंकि टीटीई की लापरवाही ही ट्रेन में घटे इस अपराध की वजह बनी थी। कोर्ट ने कहा कि व्यक्ति सिर्फ चोरी का शिकार हुआ,लेकिन टीटीई के गैर-जिम्मेदार व्यवहार से उसकी जान चली गई। अदालत ने माना कि ऐसे तमाम मामले सामने नहीं आ पाते हैं। कोर्ट ने कहा कि यदि रेलवे कर्मचारी ईमानदारी से दायित्वों का निर्वहन करें तो यात्रियों का जीवन और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। विडंबना ही है कि अब जब उन्नत तकनीक के जरिये टिकटों के नियमन व सीटों के आवंटन पर पैनी नजर रखना संभव है, तो बर्थ देने में टीटीई की बड़ी भूमिका क्यों है? अक्सर मुश्किलों में सफर कर रहे यात्रियों की मजबूरी का भी टीटीई जमकर फायदा उठाते हैं। सबसे बड़ी विसंगति यह भी है कि दुनिया के सबसे बड़े रेल-नेटवर्कों में शुमार भारतीय रेलवे नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और राजनीतिक हित साधने का माध्यम रहा है। एक समय गठबंधन सरकारों के दौर में रेल मंत्री पद के लिये बड़ी दावेदारी होती थी।

सोनम वांगचुक का लंबा अनशन अब जीवन पर भारी

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

विपक्ष की राजनीति से ऊपर उठकर स्वास्थ्य बचाने का समय अनशन नहीं समाधान चाहिए वांगचुक को जीवन बचाकर लोकतांत्रिक संघर्ष का नया रास्ता चुनना चाहिए दिल्ली के जंतर मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार और कथित परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में सोनम वांगचुक का आमरण अनशन लगातार जारी है। अनशन के सत्रहवें दिन तक पहुंचते पहुंचते उनका स्वास्थ्य चिंताजनक स्थिति में बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार उनका वजन लगभग साढ़े आठ किलोग्राम कम हो चुका है और लगातार कमजोरी बढ़ रही है। चिकित्सकीय दृष्टि से यह स्थिति किसी भी व्यक्ति के लिए गंभीर मानी जाती है। लंबे समय तक भोजन से दूर रहने का असर केवल शरीर के वजन पर ही नहीं पड़ता बल्कि हृदय गुर्दे मांसपेशियों और मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी चिंता किसी राजनीतिक मांग से अधिक एक इंसान के जीवन की होनी चाहिए।

सोनम वांगचुक देश के जाने माने शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। शिक्षा पर्यावरण और लद्दाख जैसे संवेदनशील मुद्दों पर उन्होंने वर्षों तक काम किया है। ऐसे व्यक्ति की आवाज लोकतंत्र में महत्वपूर्ण मानी जाती है। किसी भी नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने और सरकार से जवाब मांगने का अधिकार है। लेकिन जब विरोध का तरीका स्वयं के जीवन के लिए खतरा बनने लगे तब उस पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है। अनशन भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा का एक पुराना और प्रभावी माध्यम रहा है। महात्मा गांधी से लेकर अनेक सामाजिक नेताओं ने इसका उपयोग नैतिक दबाव बनाने के लिए किया। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि जब किसी अनशनकारी का स्वास्थ्य लगातार गिरने लगता है तब आंदोलन की दिशा बदलना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य जीवन की रक्षा करते हुए समाज और व्यवस्था में परिवर्तन लाना होता है न कि स्वयं को ऐसी स्थिति में पहुंचा देना जहां जीवन ही संकट में पड़ जाए। वर्तमान समय में सोनम वांगचुक के समर्थन में कई विपक्षी नेताओं और फिल्मी हस्तियों ने बयान दिए हैं। उनसे अनशन समाप्त करने की अपील भी की गई है। दूसरी ओर सरकार पर संवेदनहीन होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह स्वाभाविक है कि लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में यह भी दिखाई देता है कि राजनीतिक दल अपने अपने दृष्टिकोण से इस मुद्दे को प्रस्तुत कर रहे हैं। सत्ता पक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है जबकि विपक्ष सरकार को घेरने का अवसर तलाश रहा है।

यही वह बिंदु है जहां सबसे अधिक सावधानी की आवश्यकता है। किसी भी राजनीतिक दल का प्राथमिक उद्देश्य राजनीतिक लाभ प्राप्त करना होता है। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि हर राजनीतिक बयान केवल अनशनकारी के स्वास्थ्य की चिंता से प्रेरित है। विपक्ष सरकार पर हमला कर रहा है और सरकार अपने स्तर पर जवाब दे रही है। लेकिन इस राजनीतिक संघर्ष के बीच सबसे बड़ा नुकसान यदि किसी का हो सकता है तो वह स्वयं सोनम वांगचुक का स्वास्थ्य है।

वास्तविकता यह है कि यदि उनकी तबीयत और अधिक बिगड़ती है तो सबसे बड़ी कीमत उन्हें और उनके परिवार को चुकानी पड़ेगी। राजनीतिक दल अपने अपने एजेंडे के साथ आगे बढ़ जाएंगे लेकिन एक सामाजिक कार्यकर्ता का स्वास्थ्य और जीवन वापस नहीं लौटाया जा सकता। इसलिए यह समय भावनात्मक निर्णयों से अधिक व्यावहारिक सोच का है।

लंबे समय तक भूखे रहने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता तेजी से कम होती है। मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। रक्तचाप और शुगर का संतुलन बिगड़ सकता है। हृदय की धड़कन पर भी असर पड़ सकता है। यदि समय रहते चिकित्सा और पोषण नहीं मिले तो स्थिति गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए डॉक्टर भी आमतौर पर लंबे आमरण अनशन को स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण मानते हैं।

सोनम वांगचुक यदि अपनी मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखना चाहते हैं तो उसके अनेक लोकतांत्रिक विकल्प उपलब्ध हैं। जनसभाएं की जा सकती हैं। देशव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जा सकता है। अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। विशेषज्ञों के साथ संवाद स्थापित किया जा सकता है। संसद सदस्यों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन जुटाया जा सकता है। मीडिया और सामाजिक मंचों के माध्यम से भी व्यापक जनमत तैयार किया जा सकता है। इन सभी तरीकों से आंदोलन जीवित रहेगा और नेतृत्व भी सुरक्षित रहेगा।

इस पूरे मामले में यदि कॉकरोच जनता पार्टी और आंदोलन से जुड़े अन्य लोग वास्तव में वांगचुक के शुभचिंतक हैं तो उन्हें भी हस्तक्षेप करना चाहिए। किसी भी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति का जीवन सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि आंदोलन का चेहरा ही गंभीर बीमारी का शिकार हो जाए तो आंदोलन की दिशा भी प्रभावित होती है। इसलिए पार्टी और सहयोगियों को उन्हें सम्मानपूर्वक अनशन समाप्त करने के लिए तैयार करना चाहिए और संघर्ष की नई रणनीति बनानी चाहिए।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है। यदि किसी मुद्दे पर व्यापक असंतोष दिखाई दे रहा है तो सरकार को बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। इससे तनाव कम होगा और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास भी मजबूत होगा।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीति से ऊपर उठकर मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की है। किसी भी विचारधारा से मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। सोनम वांगचुक का संघर्ष अपनी जगह महत्वपूर्ण हो सकता है लेकिन उनका जीवन उससे कहीं अधिक मूल्यवान है। इसलिए समय की मांग यही है कि सोनम वांगचुक अपना आमरण अनशन समाप्त करें और लोकतांत्रिक संघर्ष का कोई दूसरा प्रभावी मार्ग चुनें। इससे उनकी बात भी मजबूत होगी और उनका स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। आंदोलन तभी सफल माना जाएगा जब उसका नेतृत्व स्वस्थ रहकर समाज के लिए आगे भी काम करता रहे। जीवन रहेगा तभी संघर्ष भी जारी रहेगा और बदलाव की संभावना भी बनी रहेगी।

(रु103 जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरीष्ठ पत्रकार,साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए।

अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था। महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं-हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है।

वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

विचार मंथन

भाजपा सरकार हृदयहीन, विपक्ष असंवेदनशील, मौका परस्त?

(लेखक - सनत जैन)

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कॉकरोच जनता पार्टी के साथ अनशन में भूखहड़ताल कर रहे प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक से अनशन तोड़ने की अपील की है। 17 दिन अनशन के पूरे हो चुके हैं और उनका वजन 8 किलो से ज्यादा कम हो चुका है। जो डॉक्टर उनकी जांच कर रहे हैं उन्होंने उनकी जिंदगी को लेकर चिंता जताई है। इस चिंता को देखते हुए विपक्ष ने भी बयान-बाजी करना शुरू कर दी है। सपा नेता अखिलेश यादव ने सोनम वांगचुक से अपील करते हुए कहा, भाजपा सरकार के लिए किसी के जीवन का कोई महत्व नहीं है। हम उनसे विनम्र आग्रह करते हैं कि वह अनशन तोड़ दें। उनका जीवन मानवता और पर्यावरण के लिए प्रतिबद्ध है। लोकतंत्र के लिए जिस भाजपा नेतृत्व वाली सरकार को जगाने के लिए वह अनशन पर हैं वह एक सिद्धांतहीन, भ्रष्ट तंत्र, असंवेदनशीलता और हृदयहीनता वाली सरकार है। उसके लिए किसी के भी त्याग का कोई महत्व नहीं है। पिछले एक सप्ताह से विपक्ष के नेता सोनम वांगचुक से अनशन तोड़ने की अपील जरूर कर रहे हैं, लेकिन उनकी इस लड़ाई में साथ देने के लिए विपक्ष और आम जनता जिनकी वह लड़ाई लड़ रहे हैं वह सब शांति के साथ तमाशा देख रहे हैं। यदि आम जनता और विपक्ष जिम्मेदार और संवेदनशील होता तो वह उनके समर्थन में आंदोलन और इस लड़ाई को लड़ने के लिए उनके साथ खड़ा होता। यह तो हुआ नहीं, सारा विपक्ष सरकार को कोस रहा है, लेकिन सरकार से लड़ने के लिए ना तो विपक्ष एकजुट हो रहा है नाही आम जनता अपनी लड़ाई खुद लड़ने आ रही है।

भाजपा सरकार की स्पष्ट धारणा है, जनता को यदि तकलीफ होगी तो वह स्वंय सड़कों पर उतर आएगी, लेकिन यदि जनता सड़कों पर नहीं है तो इसका मतलब उसे कोई तकलीफ नहीं है। विपक्ष यदि एकजुट नहीं है ऐसी स्थिति में सरकार यह मानकर चलती है कि उसे और उसकी सरकार की नीतियों पर जनता का समर्थन प्राप्त है। ऐसी स्थिति में पर उपदेश कुशल बहुतेरे की तरह सब अपनी जिम्मेदारी एक दूसरे के ऊपर टालकर अपने आपको बेहतर और सर्वश्रेष्ठ दिखाते हुए अपने हितों की पूर्ति करने के लिए अपने कर्तव्य से पूरी तरह से भटक चुके हैं। जो सरकार में 5बैठे हैं वह सत्ता के सुख भोग रहे हैं। विपक्ष में बैठे नेता सत्ता तक पहुंचने के लिए अलग-अलग राजनीति कर रहे हैं। जनता के लिए कोई नहीं लड़ रहा है। देश की समस्याओं के ऊपर किसी का ध्यान नहीं है। जितने भी विपक्षी राजनीतिक दल हैं वह अपने राजनीतिक हितों और पारिवारिक हितों की लड़ाई लड़ रहे हैं। देश के संविधान और लोकतंत्र तथा गरीबों की यदि उन्हें चिंता होती तो सारा विपक्ष एकजुट होकर सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ता। वांगचुक जैसे पर्यावरण विद् जब पर्यावरण और स्वतंत्रता के साथ विद्यार्थियों की लड़ाई लड़ने के लिए अनशन जैसे कठोर कदम उठाते हैं, ऐसे समय पर भी यदि विपक्ष एकजुट नहीं होता है तो इससे बड़ा दुर्भाग्य कोई नहीं हो सकता है।

इसके पहले भी पर्यावरणविद् प्रोफेसर जीडी अग्रवाल की मौत अनशन के दौरान हो चुकी है। 111 दिन वे आमरण अनशन पर बैठे रहे। सारा विपक्ष अलग-थलग रहा। सरकार के लिए यह स्थिति सबसे ज्यादा माकूल है। सरकार सोचती है, जब जनता और विपक्ष उनकी नीतियों और सत्ता से सहमत है, तभी तो कोई विरोध दर्ज नहीं करा रहा है। जब तक संपूर्ण विपक्ष ईमानदारी के साथ संविधान, लोकतंत्र तथा आम जनता की लड़ाई लड़ने के लिए एकजुट नहीं होगा, जनता को जब तक वह यह विश्वास नहीं दिलाएगा कि विपक्ष जनता की लड़ाई लड़ रहा है, ऐसी स्थिति में जनता उनके साथ कैसे खड़ी होगी? इसे आसानी से समझा जा सकता है। कॉकरोच जनता पार्टी एक ऐसा मंच है जिसने मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को कॉकरोच कहने के बाद प्रतिक्रिया स्वरूप नीट परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद सोशल मीडिया पर बनी थी। इस पार्टी का कोई अस्तित्व नहीं था, लेकिन इसी के मंच पर जाकर सोनम वांगचुक ने अनशन शुरू कर दिया, जिसके कारण इतने बड़े पर्यावरण और शिक्षा के मुद्दे में वह एक तरह से अलग-थलग पड़ गए हैं। सरकार भी इसी का फायदा उठा रही है। विपक्ष भी कॉकरोच जनता पार्टी के मंच पर जाने से बच रहा है। लेकिन यह एक ऐसा मामला है जब सारे लोगों को मिलकर पर्यावरण और छात्रों की मांग उठानी चाहिए। राजनीतिक दलों के साथ-साथ आम जनता को भी इस लड़ाई में साथ आना पड़ेगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो जिस तरह से पहले भी अनशन और आंदोलन के दौरान कई लोगों की जान भेंट चढ़ चुकी है, आशंका है ऐसी ही एक भेंट सोनम वांगचुक की चढ़ सकती है। सरकार और विपक्ष की सोच में कोई अंतर नजर नहीं आता है यही कहा जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने-चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की वायदा कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में कमी आई, जिससे निवेशकों का रुझान कुछ हद तक कमजोर होता दिखाई दिया। एमसीएक्स पर सोने का अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 1,109 रुपये तक टूट गया, जबकि चांदी के सितंबर अनुबंध में 1,263 रुपये की गिरावट आई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के अगस्त अनुबंध ने कारोबार की शुरुआत 1,109 रुपय की बड़ी गिरावट के साथ 1,41,148 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर की। इसका पिछला बंद भाव 1,42,257 रुपये था। इस साल सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वोच्च स्तर देखा था।

वहीं इसी प्रकार चांदी के सितंबर अनुबंध में भी कमजोर आई है। यह 1,263 रुपये की गिरावट के साथ 2,21,926 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,23,189 था। कारोबार के दौरान यह 729 की कमी के साथ 2,22,460 पर पहुंच गया। इस अवधि में चांदी ने 2,22,497 का उच्चतम और 2,21,064 का न्यूनतम स्तर छुआ। चांदी का इस साल का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया था।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में गिरावट का रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,059.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जो इसके पिछले बंद भाव 4,069.70 डॉलर प्रति औंस से कम था। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर हासिल किया था।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 59.04 डॉलर प्रति औंस पर खुले, जबकि पिछला बंद भाव 59.10 डॉलर था। यह 0.34 डॉलर की गिरावट के साथ 58.75 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। चांदी का इस साल का उच्चतम स्तर 121.79 डॉलर प्रति औंस रहा है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 25.9 फीसदी

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग के कारण यह बढ़ोतरी हुई

नई दिल्ली, ।

देश में चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 25.9 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 12,73,811 इकाई रही। उद्योग संगठन सियाम ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया तनाव से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग के कारण यह बढ़ोतरी हुई। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 10,11,884 इकाई रही। इससे पहले 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में रिकॉर्ड करीब 10.3 लाख इकाई की बिक्री दर्ज की गई थी। सियाम के मुताबिक पहली तिमाही में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 20.3 फीसदी बढ़कर 56,28,675 इकाई रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 46,77,990 इकाई थी। संगठन ने कहा कि तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री भी पहली तिमाही में अब तक के उच्चतम स्तर 2,14,339 इकाई पर पहुंच गई। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की 1,65,211 इकाई की तुलना में 29.7 फीसदी ज्यादा है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी सर्वाधिक 2.65 लाख इकाई रही, जो पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 18.3 फीसदी ज्यादा है।

सिग्नेचर ग्लोबल का शुद्ध कर्ज बढ़कर 390 करोड़, पहली तिमाही में बिक्रि बुकिंग 25 प्रतिशत घटी

मुंबई ।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में अपने शुद्ध कर्ज में वृद्धि और बिक्री बुकिंग में गिरावट दर्ज की है। कंपनी का शुद्ध कर्ज मार्च 2026 के अंत के 200 करोड़ से बढ़कर 30 जून, 2026 तक 390 करोड़ हो गया है। इस अवधि में, कंपनी की बिक्री बुकिंग 25 प्रतिशत घटकर 1,970 करोड़ रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 2,640 करोड़ रुपए थी।कंपनी ने बताया कि बिक्री बुकिंग में यह गिरावट मुख्य रूप से बिक्री की मात्रा में कमी के कारण हुई है। समीक्षाधीन तिमाही में सिग्नेचर ग्लोबल ने मात्र 226 इकाइयों की बिक्री की, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह संख्या 778 थी। क्षेत्रफल के लिहाज से भी, कंपनी ने 7.2 लाख वर्ग फुट की बिक्री की, जो पिछले साल के 16.2 लाख वर्ग फुट से काफी कम है।हालांकि, कंपनी ने अपनी मजबूत वित्तीय स्थिति पर जोर देकर बताया कि 30 जून, 2026 तक उसके पास 2,522 करोड़ रुपए की नकदी और बैंक जमा थे। यह राशि भविष्य की वृद्धि और परिचालन संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त वित्त उपलब्ध कराती है। गुरुग्राम स्थित कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए 10,000 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने 8,250 करोड़ रुपए की संपत्तियों की बिक्री की थी और बिक्री बुकिंग के आधार पर सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों में पांचवें स्थान पर रही थी। अप्रैल में, कंपनी ने इटली के लाइफस्टाइल ब्रांड टोनिनो लैम्बॉर्गिनी के साथ गुरुग्राम में करीब 2,900 करोड़ रुपए के निवेश से एक लक्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए साझेदारी भी की है।

टेक महिंद्रा के नतीजों पर बाजार की नजर- मुनाफे में 40 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की उम्मीद

आज होगा ऐलान

मुंबई, ।

आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी टेक महिंद्रा वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे 16 जुलाई को जारी करेगी। बाजार विश्लेषकों और ब्रोकरेज फर्मों का अनुमान है कि कंपनी तिमाही में शानदार प्रदर्शन कर सकती है, जिसमें मुनाफे (पीटीए) में 40 प्रतिशत से अधिक की सालाना बढ़ोतरी और राजस्व में दोहरे अंकों की वृद्धि प्रमुख है। इन नतीजों पर निवेशकों और बाजार की गहरी नजर, खासकर जब इसी दिन आईटी क्षेत्र की एक और प्रमुख कंपनी विप्रो भी अपने आंकड़े जारी करेगी।हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आईटी सेक्टर के लिए मौजूदा कारोबारी माहौल पूरी तरह से अनुकूल नहीं है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव और बड़े सौदों (डील्स) को अंतिम रूप देने में होने वाली देरी जैसी चुनौतियां अभी भी उद्योग पर संकट पैदा कर रही हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि टेक महिंद्रा को बड़े डील्स से महत्वपूर्ण ग्रोथ मिलेगी। फर्म के अनुसार, कंपनी के सीईओ मोहित जोशी के नेतृत्व में परिचालन दक्षता में सुधार देखा गया है।

एसबीआई फंड आईपीओ दूसरे दिन 78 फीसदी सब्सक्राइब, 21 को हो सकती है लिस्टिंग?

नई दिल्ली, ।

एसेट मैनेजमेंट कंपनी एसबीआई फंड मैनेजमेंट आईपीओ का बुधवार को दूसरा दिन है। सुबह 10:04 बजे तक आईपीओ 78 फीसदी सब्सक्राइब हो चुका है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक रिटेल निवेशकों का हिस्सा 72 फीसदी, पात्र खरीदार का हिस्सा 8 फीसदी और गैर संस्थागत निवेशकों का हिस्सा 161 फीसदी सब्सक्राइब हुआ है। अभी तक सबसे बोली एनआईआई ने लगाई है। आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम फिलहाल करीब 15फीसदी चल रहा है। कंपनी ने आईपीओ के लिए 545 रुपए से 574 रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह 9,813 करोड़ रुपए का आईपीओ है, जिसे पूरी तरह ऑफर फॉर सेल के जरिए लाया गया है। इसमें कंपनी के प्रमोटर भारतीय स्टेट बैंक और अम्यून्दी इंडिया होल्डिंग अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। ओएफएस में 17.09 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों की बिक्री होगी। आईपीओ 14 जुलाई को खुला था और 16 जुलाई को बंद होगा।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 130, निफ्टी 26 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 130.49 अंक बढ़कर 77,185.43 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएस निफ्टी भी 26.45 अंक उछलकर 24,078.50 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। आज इटरनल के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही। इसके अलावा अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, इंडिगो, एशियन पेंट्स और टेक महिंद्रा के शेयरों में तेजी रही। वहीं दूसरी ओर, पावरग्रिड, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, इन्फोसिस, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व के शेयरों में गिरावट रही। वहीं जानकारों के अनुसर बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में आई मजबूती ने बाजार को पिछले सत्र की भारी गिरावट से उबारने का काम किया। हालांकिमें अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया, जिसके चलते ऊपरी स्तरों पर मुनाफावसूली देखने को मिली और बाजार अपनी शुरुआती बड़ी बढ़त को बरकरार नहीं रख सका।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 483 अंक उछलकर 77,538.60 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी भी तेजी के साथ ही 24,203.40 के स्तर पर पहुंच गया।

वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर 20 फीसदी ट्रांजिट शुल्क नहीं लगाये जाने की घोषणा के बाद कच्चे तेज की कीमतों में हल्मी गिरावट रही। । अमेरिका में जून के महंगाई आंकड़े उम्मीद से नरम रहने के बाद फेडरल रिजर्व के नरम रुख अपनाने की उम्मीद बढ़ी, जिससे एसएंडपी 500 में 0.38 प्रतिशत और नैस्डैक में 0.90 फीसदी की बढ़त रही। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार देखने को मिला, जबकि हांगकांग का बाजार बढ़त के साथ रहा।

रूस से ऊर्जा खरीद पर अमेरिकी टैरिफ में भारी कटौतीः भारत को बड़ी राहत

500 प्रतिशत को घटाकर 100 प्रतिशत किया

वाशिंगटन, ।

अमेरिका की सीनेट ने रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर लगाने वाले प्रतिबंधों से संबंधित महत्वपूर्ण बिल में बड़ा बदलाव किया है, जिससे भारत सहित कई देशों को राहत मिली है। पहले प्रस्तावित अधिकतम 500 प्रतिशत टैरिफ को अब घटाकर 100 प्रतिशत किया गया है। इसके साथ ही, यह टैरिफ सभी देशों पर नहीं, बल्कि केवल रूस के पांच सबसे बड़े तेल और प्राकृतिक गैस खरीदारों पर ही लागू होगा, जिसमें भारत भी शामिल है। यह निर्णय रूस पर प्रतिबंधों से जुड़े सैंक्शनिंग रशिया एक्ट के संशोधित संस्करण के तहत हुआ है।

इस बिल को पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, जिसमें रूस से तेल, गैस और अन्य ऊर्जा उत्पादों की खरीद पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था। संशोधित बिल में टैरिफ दर में भारी कमी और इसके दायरे को सीमित करना सबसे महत्वपूर्ण बदलाव है।

अब यह टैरिफ केवल चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान जैसे देशों पर ही लागू होगा, जो रूस के पांच सबसे बड़े ऊर्जा खरीदार हैं। वॉशिंगटन में सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा कि इसकी अधिकतम दर 100 प्रतिशत होगी, और विशेष परिस्थितियों में सीमित छूट का प्रावधान भी होगा।

इस बिल को रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेटिक सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने आगे बढ़ाया था। ग्राहम ने यूक्रेन दौरे के दौरान कहा था कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ बिल को आगे बढ़ाने पर सहमति बना ली थी, जो एक साल से अधिक समय की बातचीत के बाद बनी थी। सीनेट के सहयोगियों के अनुसार, बिल को पहले ही 26 सीनेटरों का समर्थन मिल चुका है और आने वाले दिनों में और अधिक समर्थन मिलने की उम्मीद है।संशोधित बिल में उन देशों के लिए भी छूट का प्रावधान है, जो रूस के कुल प्राकृतिक गैस निर्यात का 15 प्रतिशत से कम खरीदते हैं और रूस पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए ठोस कदम उठा रहे हैं।

16-17 जुलाई को उत्तराखंड-मेघायल में बंद रहेंगे बैंक, अन्य जगह होगा कामकाज

नई दिल्ली, ।

भारतीय रिजर्व बैंक के आधिकारिक अवकाश कैलेंडर के मुताबिक 16-17 जुलाई को पूरे देश में बैंक बंद नहीं रहेंगे, बल्कि क्षेत्रीय त्योहारों और स्थानीय अवसरों के कारण केवल कुछ राज्यों में ही बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होंगी। आरबीआई के मुताबिक 16 जुलाई गुरुवार को उत्तराखंड में लोक पर्व हरेला तथा मेघालय में यू तिरोत सिंह डे के अवसर पर सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इन दोनों राज्यों के अलावा देश के अन्य सभी हिस्सों में बैंक सामान्य रूप से खुलेंगे और नियमित कामकाज होगा।

17 जुलाई शुक्रवार को केवल मेघालय में यू तिरोत सिंह डे के उपलक्ष्य में बैंक अवकाश रहेगा। इस तरह मेघालय में लगातार दो दिन 16-17 जुलाई को बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। वहीं उत्तराखंड सहित देश के अन्य राज्यों में शुक्रवार को बैंक सामान्य रूप से कार्य करेंगे। हालांकि बैंक शाखाएं बंद रहने के बावजूद ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग सेवाओं में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। यूपीआई के जरिए गूगल पे, फोनपे, पेटीएम और अन्य डिजिटल भुगतान सेवाएं पहले की तरह चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक ग्राहक एटीएम के जरिए नकदी निकाल सकेंगे और जहां कैश डिपॉजिट मशीन उपलब्ध हैं, वहां नकदी जमा करने की सुविधा भी जारी रहेगी। हालांकि चेक जमा करना, डिमांड ड्राफ्ट बनवाना, केवाईसी अपडेट कराना, लॉकर संचालन या अन्य शाखा आधारित कार्य अवकाश वाले राज्यों में संभव नहीं होंगे। ऐसे में जिन ग्राहकों को बैंक शाखा में जाकर जरूरी काम करना है, उन्हें स्थानीय अवकाश को ध्यान में रखते हुए पहले से कर लें।

बैंक बोर्ड रणनीति और जोखिम प्रशासन पर ज्यादा बेहतर तरीके से विचार करें: आरबीआई

नई दिल्ली, ।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को बैंकों के निदेशक मंडलों की बैठकों के लिए मुद्दे तय करने के संबंध में संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए ताकि बोर्ड अपने समय का ज्यादा कारगर तरीके से इस्तेमाल कर पाएं। केंद्रीय बैंक चाहता है कि बैंक बोर्ड रणनीति और जोखिम प्रशासन पर ज्यादा बेहतर तरीके से विचार करें। संशोधित दिशा-निर्देशों के तहत बोर्डों को साफतौर पर बताना होगा कि उन्होंने कौन से मसले मंजूरी के लिए रखे हैं और उन्हें अपने अधिकारों की समय-समय पर समीक्षा भी करनी होगी। संशोधित व्यवस्था 1 अक्टूबर 2026 से लागू होगी।

संशोधित नियमों के मुताबिक बोर्ड को जोखिम प्रबंधन, नीति तथा रणनीति, संबंधित इकाइयों को कर्ज या उनमें निवेश पर नजर रखनी होगी और यह भी तय करना होगा कि कॉरपोरेट प्रशासन का पूरा ध्यान रखा जाए। रिजर्व बैंक के संशोधित दिशा-निर्देशों में कहा गया है, 'बैठक का एजेंडा तय करने की मूल जिम्मेदारी बोर्ड के चेयरपर्सन की होगी। बैंकिंग नियामक ने कहा कि बैंक की कारोबारी रणनीति, वित्तीय सेहत, प्रशासन के ढांचे, कर्मियों से जुड़े प्रमुख फैसलों, जोखिम प्रबंधन और अनुपालन की आखिरी जिम्मेदारी बोर्ड की ही होगी। बोर्ड को स्पष्ट करना होगा कि उसे प्रबंधन से किस तरह की जानकारी चाहिए और कितने अंतराल पर चाहिए। रिजर्व बैंक ने प्रस्ताव रखा है, जरूरत पड़ने पर बोर्ड बाहर से रिपोर्ट मंगा सकता है।

बोर्ड खास मामले बोर्ड समितियों या प्रबंधन समितियों को सौंप सकता है बशर्ते उन्हें साफ तौर पर बताया जाए कि क्या जानकारी देनी है।

क्यूबा में फिर गहराया बिजली संकट, ब्लैकआउट से करीब 90 लाख लोग प्रभावित

पहले से आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे क्यूबा की मुश्किलें और बढ़ीं

नई दिल्ली, ।

क्यूबा एक बार फिर बिजली संकट गहरा गया है। मंगलवार को देश की राष्ट्रीय बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई, जिसके चलते पूरे देश में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। पिछले दो सप्ताह में यह तीसरी बार है जब पूरे देश में ब्लैकआउट की स्थिति बन गई। बिजली संकट ने पहले से आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे क्यूबा की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। क्यूबा की सरकारी बिजली कंपनी के मुताबिक पूर्वी प्रांत होलगुइन स्थित एक बिजली उत्पादन इकाई में तकनीकी खराबी आने से ग्रिड की फ्रीक्वेंसी अचानक बदल गई। इसके कारण राष्ट्रीय बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई और पूरे देश में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्लैकआउट के बाद ऊर्जा एवं खनन मंत्रालय और इलेक्ट्रिक यूनियन ने बिजली बहाल करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर दी। इसके तहत छोटे-छोटे बिजली नेटवर्क तैयार कर उन्हें आपस में जोड़कर अस्पतालों, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता के आधार पर बिजली दी जा रही है। राजधानी हवाना के कुछ इलाकों में दोपहर बाद बिजली बहाल कर दी गई। अधिकारियों के मुताबिक शहर के करीब 4 फीसदी हिस्से में बिजली आपूर्ति शुरू हो चुकी है। वहीं ग्वांतानामो, सिएनफुएगोस और मातांजास जैसे प्रांतों में भी अस्पतालों और कुछ प्रमुख क्षेत्रों में बिजली बहाल होने लगी है।यह पहली बार नहीं है जब क्यूबा को इस तरह के संकट का सामना करना पड़ा है। पिछले सप्ताह भी देशभर में बड़े पैमाने पर ब्लैकआउट हुआ था, जिससे करीब 90 लाख लोग प्रभावित हुए थे। इससे पहले मार्च में भी दो बार राष्ट्रीय स्तर पर बिजली व्यवस्था ठप हो चुकी है, जबकि कई क्षेत्रों में अलग-अलग समय पर बिजली कटौती की घटनाएं सामने आई थीं।

क्यूबा लंबे समय से ईंधन की कमी से जूझ रहा है। देश अपनी जरूरत का केवल करीब 40 फीसदी ईंधन ही खुद तैयार कर पाता है।, जबकि बाकी के लिए आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। इस साल जनवरी से ईंधन संकट और गहरा गया, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने उन देशों पर टैरिफ लगाने की चेतावनी दी जो क्यूबा को तेल बेचते या उपलब्ध कराते हैं।

भारत-यूके सीईटीए लागू, कपड़ा, चमड़े, आभूषण समेत कई क्षेत्रों के निर्यात के अवसर बढ़ेंगे

कई प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी में कटौती आने वाले सालों में धीरे-धीरे लागू होगी

नई दिल्ली, ।

भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) बुधवार से लागू हो गया। इससे देश में कपड़ा, चमड़े, आभूषण एवं रत्न, समुद्री उत्पादों, केमिकल और अन्य क्षेत्रों से जुड़े निर्यातकों के लिए यूके का बाजार खुला गया और उन्हें अब पहले के मुकाबले निर्यात के ज्यादा अवसर मिलेंगे। भारत-यूके सीईटीए के लागू होने को लेकर एक्स पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हुआ यह समझौता, दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में एक मील का पत्थर है। इससे देश के करीब 99 फीसदी निर्यात को यूके में जीरो-ड्यूटी एक्सेस मिलेगा, जो कि भारत की 100 फीसदी ट्रेड वैल्यू को कवर करता है। मीडिया रिपोर्ट में केंद्रीय मंत्री के मुताबिक इस व्यापार समझौते से कपड़ा, चमड़े, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग का सामान, समुद्री उत्पाद, केमिकल, प्रोसेस्ड फूड के साथ-साथ एमएसएमई, किसानों और अन्य मैन्युफैक्चरर्स को निर्यात के बड़े अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के आईटी, प्रोफेशनल, फाइनेंशियल, एजुकेशन और बिजनेस सर्विस सेक्टरों के लिए भी नए रास्ते खोलेगा और साथ ही भारतीय टैलेंट के लिए आवाजाही के मौके भी बढ़ाता है।सोशल सिक्योरिटी समझौते का जिक्र करते हुए गोयल ने कहा कि इससे यूके में अस्थायी काम पर गए भारतीय पेशेवरों को पांच साल तक दोहरी सोशल सिक्योरिटी का योगदान देने से छूट मिलती है, जिससे देश के वर्कफोर्स की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ती है।

इसके अलावा गोयल ने समझौते को अंतिम रूप देने में अपनी भूमिका के लिए यूके के अपने समकक्ष पीटर काइल और दोनों देशों की बातचीत करने

वही कीमत, कम वजनः श्रिंकफ्लेशन से महंगाई की नई चाल

मुंबई, ।

महंगाई का असर अब केवल बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं रहा है। बाजार में एक नई प्रवृत्ति तेजी से देखने को मिल रही है, इस अर्थशास्त्र की भाषा में श्रिंकफ्लेशन कहा जाता है। इसमें कंपनियां उत्पाद की कीमत पहले जैसी ही रखती हैं, लेकिन उसकी मात्रा या वजन कम करती हैं। नतीजतन, उपभोक्ता को पहली नजर में कीमत में कोई बदलाव नहीं दिखता, जबकि प्रति ग्राम या प्रति किलो के हिसाब से अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। यह छिपी हुई महंगाई उपभोक्ताओं की जेब पर भारी पड़ रही है।

दिल्ली-एनसीआर के बाजारों, सुपरमार्केट और मॉल्स में कई इसतरह के उत्पाद मिल रहे हैं, जिनकी पैकेजिंग पहले जैसी दिखती है लेकिन उनका वजन घट चुका है। पहले जहां 1 किलो के पैक उपलब्ध होते थे, वहीं अब 950 ग्राम, 900 ग्राम या 850 ग्राम के पैक बाजार में बिक रहे हैं। इसी तरह 500 ग्राम की जगह 450 ग्राम और 200 ग्राम की जगह 180 या 170 ग्राम के पैक भी आम हो गए हैं। इसका सबसे अधिक असर रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले बिस्कुट, नमकीन, चिप्स, चॉकलेट, इंस्टेंट नूडल्स, चाय, कॉफी, मसाले, डिटर्जेंट, साबुन, शैंपू, खाद्य तेल और आटे जैसे उत्पादों पर दिखाई दे रहा है।

दुकानदारों का कहना है कि कंपनियां कीमत बढ़ाने से बचने के लिए तरीका अपना रही हैं। यदि किसी उत्पाद की कीमत सीधे बढ़ाई जाए, तब ग्राहक तुरंत प्रतिक्रिया देता है, लेकिन उसी कीमत पर वजन कम होने पर अधिकांश लोग ध्यान नहीं देते। वहीं, उपभोक्ता संगठनों का मानना है कि यह कानूनी रूप से गलत नहीं है, क्योंकि कंपनियां पैकेट पर वास्तविक वजन स्पष्ट रूप से लिखती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला क्रिकेट को नई दिशा देने घरेलू स्तर पर लाल गेंद के मुकाबले शुरु करें शांता रंगास्वामी

चेन्नई ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान शांता रंगास्वामी ने कहा है कि महिला क्रिकेट को एक नई दिशा देने और खिलाड़ियों के कौशल को निखारने के लिए अधिक से अधिक टेस्ट मैचों का आयोजन किया जाना चाहिये। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से घरेलू स्तर पर लाल गेंद की क्रिकेट को पूरी तरह से दोबारा शुरू करने की मांग की है।

इस पूर्व कप्तान के अनुसार बेहतर तकनीक वाले खिलाड़ियों को तैयार करने में लाल गेंद के क्रिकेट का महत्व सबसे अधिक है। रंगास्वामी ने कहा, जब मैं बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की सदस्य थी, तो मैंने अक्सर महिला क्रिकेट में लंबी अवधि के प्रारूप की प्रतियोगिताओं के आयोजन पर जोर दिया था। पिछले साल इसे फिर से शुरू किया गया, पर यह केवल अंतरक्षेत्रीय स्तर पर और वह भी नॉकआउट प्रारूप में ही सीमित रही जो पर्याप्त नहीं है।

दूसरा वनडे- सीरीज पर कब्जा जमाने उतरेगी टीम इंडिया, इंग्लैंड के लिए 'करो या मरो' का मैच

कार्डिफ।

भारत और इंग्लैंड के बीच सोफिया गार्डन्स में वनडे सीरीज का दूसरा मैच गुरुवार को खेला जाएगा, जिसे जीतकर टीम इंडिया सीरीज पर अपना कब्जा जमाना चाहेगी। भारत ने सीरीज का पहला मैच 6 विकेट से अपने नाम किया था। पहले मैच में पूरी भारतीय टीम ने मिलकर शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें अलग-अलग खिलाड़ियों ने अहम मौकों पर उम्दा खेल दिखाया। कप्तान शुभमन गिल ने शानदार 80 रन की पारी खेलकर टीम को मजबूत आधार दिया, हालांकि क्रैंप्स (मांसपेशियों में खिंचाव) के कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। वहीं, अक्षर पटेल ने मैच जिताऊ ऑलराउंड खेल दिखाया। पटेल ने 4 विकेट लेने के बाद बल्ले से नाबाद 57 रन की पारी खेली। इनके अलावा, वाशिंगटन सुंदर ने अपना पहला वनडे अर्धशतक जमाया। फैंस की नजरें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाजों पर भी होंगी। हालात के आधार पर भारत टीम में कुछ बदलावों पर विचार किया जा सकता है। सोफिया गार्डन्स में अक्सर सीम बॉलिंग को मदद मिलती है, इसलिए अगर टीम अतिरिक्त तेज गति चाहती है तो अर्शदीप सिंह एक विकल्प हो सकते हैं। हालांकि, सीरीज के पहले मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद मैनेजमेंट की तरफ से बड़े बदलाव करने की संभावना कम है, खासकर इसलिए क्योंकि अक्षर पटेल (62/4), वाशिंगटन सुंदर (4 ओवरों में सिर्फ 13 रन) और जसप्रीत बुमराह (31/1) ने बर्मिंघम में अहम योगदान दिया था। दूसरी तरफ, इंग्लैंड के लिए यह %करो या मरो% का मैच होगा। हैरी ब्रूक की टीम को सीरीज में बने रहने के लिए कार्डिफ में हर हाल में जीतना ही होगा।

पिछले मैच में खराब बल्लेबाजी के कारण जो रूट और लियाम डॉसन की वापसी की कोशिशों के बावजूद उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

मेजबान टीम को तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स की वापसी से मजबूती मिली है, जिनके आने से बॉलिंग अटैक में अनुभव जुड़ेगा।

भारत और इंग्लैंड के बीच अब तक कुल 111 वनडे मैच खेले गए हैं, जिसमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है। भारत ने 62 मुकाबले अपने नाम किए हैं, जबकि 44 मैच इंग्लैंड के पक्ष में रहे। इनके अलावा, 2 मैच टाई रहे, जबकि 3 मुकाबलों का नतीजा नहीं निकल सका। भारत की टीम- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार, प्रिंस यादव।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप अगले माह, भारतीय दल की अगुवाई करेंगी सिंधु

नई दिल्ली ।

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली में होगी। इसमें 10 सदस्यीय भारतीय बैडमिंटन टीम की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु करेगी। बीडब्ल्यूएफ ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफिकेशन सूची जारी कर दी है, जिसमें भारत के कुल 10 खिलाड़ियों को पांच स्पर्धाओं में उतरने का अवसर मिला है। इन खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी भी शामिल है। सिंधु को बीडब्ल्यूएफ के नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रॉ में जगह मिली है। यह क्वालिफिकेशन सूची 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित है, जिसमें पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और प्रत्येक युगल स्पर्धा में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। नियमानुसार, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रत्येक वर्ग में भारत के दो खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश मिला है। वहीं पुरुष एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी करेंगे, जिन्होंने अपनी रैंकिंग के बल पर प्रवेश हासिल किय है। वहीं, महिला एकल में सिंधु के साथ उभरती

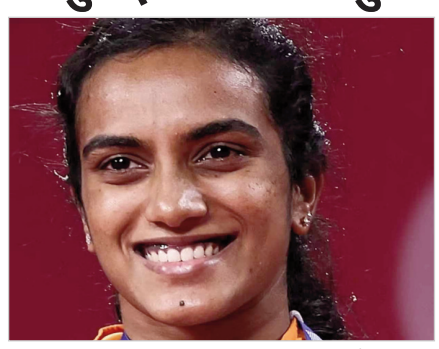

खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को भी जगह मिली है। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को भी शामिल किया गया है। पुरुष युगल की बात करें तो हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन को अवसर मिला है। दूसरी ओर महिला युगल में 30वें स्थान पर कायम ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भारत की ओर से चुनौती पेश करेगी, जबकि कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी ने दूसरी भारतीय जोड़ी के रूप में प्रवेश हासिल किया है। मिश्रित युगल स्पर्धा में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान के साथ अपनी जगह बनाई है।

भारतीय हॉकी टीम विश्व कप की तैयारी शुरू कर चुकी है कोच क्रेग फुल्टन

नई दिल्ली।

बेल्जियम और नीदरलैंड की मेजबानी में होने वाले एफआईएच हॉकी वर्ल्ड 2026 की शुरुआत में एक महीना बचा है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन का कहना है कि टीम बड़े इवेंट की तैयारियों के अहम दौर में धीरे-धीरे अपनी तीव्रता बढ़ा रही है। 15 से 30 अगस्त तक होने वाला विश्व कप का ये संस्करण बेहद खास है। इस विश्व कप में पहली बार पुरुषों और महिलाओं की टीम एक ही जगह पर साथ होगी। टूर्नामेंट से पहले दोनों भारतीय टीमें अभी बेंगलुरु में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) सेंटर में ट्रेनिंग कर रही हैं। नेशनल कैंप के माहौल के बारे में फुल्टन ने कहा, ÷प्रो लीग ब्रेक के बाद खिलाड़ियों ने नए जोश के साथ ट्रेनिंग फिर से शुरू कर दी है। आप मैदान पर इसे देख सकते हैं। सेशन शानदार रहे हैं। हर कोई एक साथ वापस आने के लिए उत्सुक है। पहले कुछ दिन पैरों को फिर से चलाने, अपने स्तर को फिर से बनाने के बारे में थे और अब हम वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए धीरे-धीरे ऊर्जा बढ़ा रहे हैं।÷ फुल्टन ने बताया कि कोचिंग स्टाफ ने ट्रेनिंग में फिजिकल कंडीशनिंग पर जोर दिया है। इसके अलावा, रणनीति और निर्णय लेने की क्षमता पर भी हमारा फोकस है।

फीफा विश्व कप स्पेन ने फ्रांस को हराकर फाइनल में प्रवेश किया, दूसरी बार खिताब जीतने का मौका

डलास ।

स्पेन ने फ्रांस को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के फाइनल में प्रवेश किया है। इस जीत के साथ स्पेन ने दूसरी बार विश्वकप के फाइनल का टिकट हासिल किया है। वहीं इससे पहले टीम ने साल 2010 में खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी और ट्रॉफी जीती थी। ऐसे में अब इस बार स्पेन एक बार फिर खिताब की प्रबल दावेदार बन गयी है। जिससे प्रकार से उसने सेमीफाइनल में खेला है। उससे उसके बुलंद इरादों का अंदाजा होता है। वहीं पहला सेमीफाइनल हारी फ्रांस अब तीसरे स्थान के लिए उतरेगी। स्पेन के खिलाफ मुकाबले की शुरुआत में फ्रांस ने आक्रामक रुख अपनाया पर वह स्पेनिश रक्षापंक्ति को भेद नहीं

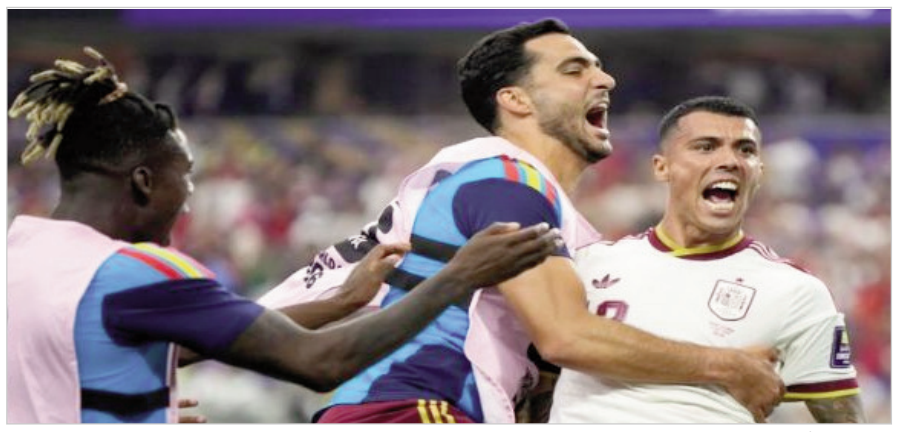

पायी। स्पेन के स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे भी मैच में प्रभावी नहीं रहे। वहीं स्पेन ने 22वें मिनट में मिकेल ओयरजाबल के गोली से 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद पहले हाफ में फ्रांस ने बराबरी के कई प्रयास किये पर वह सफल नहीं हुई। वहीं दूसरे हाफ में स्पेन छायी रही। स्पेनिश टीम ने गेंद पर कब्जा करते हुए जमकर हमले शुरु कर दिये। मैच के 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने एक गोल दागते हुए स्पेन की बढ़त को 2-0 कर दिया। 0-2 से पिछड़ने के बाद फ्रांस की टीम दबाव में बिखरती दिखी। कोच ने डेजिरे डुए और रयान चेर्की जैसे स्टार खिलाड़ियों को मैदान पर उतारकर वापसी का प्रयास किया पर वे स्पेनिश रक्षापंक्ति को भेद नहीं पाये। एम्बाप्पे ने टीम के लिए कई प्रयास किये पर वह स्पेन के गोलकीपर को भेदने में असफल रहे।

संक्षिप्त समाचार

जापान ओपन भारत का मेंस सिंगल्स अभियान समाप्त,विमेंस सिंगल्स में उन्नति की हार

टोक्यो।

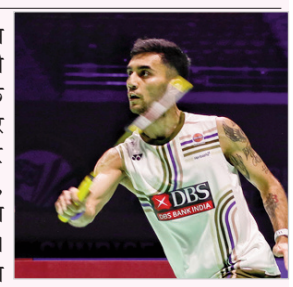

जापान ओपन 2026 के मेंस सिंगल्स ड्रॉ में बुधवार को भारत की उम्मीदें खत्म हो गईं। बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट के शुरुआती दौर के मुकाबलों में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी दोनों बाहर हो गए, जबकि उन्नति हुड्डा भी विमेंस सिंगल्स प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। वर्ल्ड नंबर 14 खिलाड़ी लक्ष्य सेन टोक्यो मेट्रोपॉलिटन जिम्नेजियम में घरेलू खिलाड़ी कोकी वातानाबे का सामना नहीं कर सके। वातानाबे ने यह मुकाबला 21-16, 21-14 से अपने नाम किया। भारतीय खिलाड़ी शुरुआत से ही पिछड़ते नजर आए। वातानाबे ने दोनों सेट में मिड-गेम इंटरवल पर बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी। वापसी की कोशिश के बावजूद, लक्ष्य मैच का रुख नहीं बदल सके और जापानी शटलर ने सिर्फ 38 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह वातानाबे की भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ सात मुकाबलों में तीसरी जीत रही। दूसरी तरफ, आयुष शेट्टी टूर्नामेंट में बने रहने के काफी करीब पहुंच गए थे, लेकिन आखिरकार तीन गेम के कड़े मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 2 खिलाड़ी कुनलावुत वितिदसर्न से हार का सामना करना पड़ा। थाई स्टार ने कड़े मुकाबले वाले पहले गेम को 21-19 से अपने नाम किया, जिसमें उन्होंने सेट के ज्यादातर समय मामूली बढ़त बनाए रखी। आयुष ने दूसरे गेम में शानदार वापसी की। चार मैच प्वाइंट्स से उबरते हुए उन्होंने तनावपूर्ण मुकाबले में 25-23 से जीत हासिल करते हुए मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। हालांकि, यह लय ज्यादा देर तक नहीं रही। कुनलावुत ने तीसरे गेम में फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया और 21-15 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ कुनलावुत का आयुष के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-1 हो गया। विमेंस सिंगल्स ड्रॉ में भी भारत को एक और झटका लगा। उन्नति हुड्डा को चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन ने शिकस्त दी।

सचिन-रोहित के पचास ओवर तक बल्लेबाजी करने के रिकार्ड की बराबरी नहीं कर पाये शुभमन

एजबेस्टन ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल के इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में एक बार फिर पचास ओवर नहीं खेल पाये। आज तक ये उपलब्धि केवल भारत के सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा के नाम है।

शुभमन इसके बेहद करीब पहुंचकर भी पूरा नहीं कर पाये। वह 49वें ओवर में आउट होकर पेवेलियन लौट गये। सबसे पहले सचिन तेंदुलकर ने साल 2010 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ग्वालियर में पहली गेंद से लेकर 50वें ओवर तक बल्लेबाजी की थी और एकदिवीसय इतिहास का पहला दोहरा शतक 200 रन बनाये थे। वहीं ये उपलब्धि रोहित के नाम भी है। रोहित ने साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स में 264 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली थी। वह पारी की शुरुआत करने आए और 50वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट होने से पहले तक क्रीज पर डटे रहे थे।

वहीं अब शुभमन गिल ने भी इंग्लैंड के खिलाफ 80 रनों की अच्छी पारी खेली पर वह 49 ओवर में आउट होने के कारण सचिन और रोहित के साथ शामिल नहीं हो पाये। बतौर ओपनर पहली गेंद से गेंदबाजों का सामना करना और अंत तक विकेट बचाये रखने के लिए गहन एकाग्रता के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस की जरुरत होती है। पचास ओवर तक लगातार दौड़ना, अत्यधिक उमस भरे माहौल में भी एकाग्रता बनाये रखना और खेल के हर चरण में अपनी रणनीति को अनुकूल बनाना। ये सभी गुण ही एक बल्लेबाज को 50 ओवर तक बल्लेबाजी करने में सक्षम बनाते हैं। शुरुआत में संभलकर खेलना और आखिरी ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी करने की कला इस रिकॉर्ड के लिए बेहद जरूरी है।

सुंदर ने अपनी सफलता का श्रेय गंभीर और नेहरा को दिया

अलग-अलग भूमिकाओं को निभाना है पसंद

बर्मिंघम।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में अपने शानदार प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने अपनी सफलता का श्रेय मुख्य कोच गौतम गंभीर और गुजरात टाइटंस के कोच आशीष नेहरा को दिया है। सुंदर ने पहले एकदिवसीय में नंबर पांच पर उतरने हुए नाबाद 52 रन बनाए थे जिससे भारतीय टीम ने इंग्लैंड को छह विकेट से हराया। इस मैच के बाद, सुंदर ने अपनी अलग-अलग भूमिकाओं को रोमांचक बताया और कहा कि वह बल्लेबाजी क्रम में किसी भी स्थान पर खेलने में सहज अनुभव करते हैं। सुंदर ने पहले एकदिवसीय में अक्षर पटेल के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी की थी। मैच के बाद सुंदर ने कहा, मैं अलग-अलग भूमिकाएं निभाना पसंद करता हूं। बहुत से लोगों को ऐसी भूमिकाएं निभाने का अवसर नहीं मिलता है। मुझे अलग-अलग हालातों और खेल के अलग-अलग चरणों में रहने का अवसर मिलता है, और मैं टीम को जिताने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता हूं। अपने प्रदर्शन का श्रेय सुंदर ने मुख्य कोच गंभीर और गुजरात टाइटन्स के मुख्य कोच नेहरा के सुझावों को दिया है। सुंदर ने कहा कि गंभीर ने हमेशा एक बल्लेबाज के रूप में उनके मनोबल को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, खासकर बल्ले से उनकी क्षमताओं को समझाकर। वहीं, आशीष नेहरा ने उन्हें एक व्यक्ति और एक क्रिकेटर दोनों के तौर पर अपने को बेहतर ढंग से समझने में मदद की है। इस क्रिकेटर ने ऑलराउंडर होने को एक आशीर्वाद बताया। उन्होंने कहा कि कोई भी टीम जितने संभव हो उतने ऑलराउंडर

रखना पसंद करती है, क्योंकि यह परिस्थितियों के अनुसार खेलने की आजादी देता है और टीम को विकल्पों की कमी महसूस नहीं होती।

इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम की जीत के नायक बने अक्षर

सीरीज में 1-0 से मिली बढ़त

एजबेस्टन ।

भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मुकाबले में 6 विकेट से जीत हासिल की। इससे भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। टीम की जीत में स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल की अहम भूमिका रही। अक्षर ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए। अक्षर पटेल, के अलावा कप्तान शुभमन गिल और वॉशिंगटन सुंदर ने अच्छी बल्लेबाजी कर अर्धशतक लगाये। मैच में अंतर लाने के लिए अक्षर पटेल को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला।

अक्षर ने गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी कर तेजी से 57 रन बनाये।

इस मैच में मेजबान टीम इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया पर भारतीय गेंदबाजों के सामने वे खुलकर नहीं खेल पाये। मेजबान टीम 258 रन ही बना पायी। भारत की ओर से अक्षर ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए। इसके अलावा गुरनूर बरार और प्रसिद्ध कृष्णा ने 2-2 विकेट जबकि जसप्रीत बुमराह और शिवम दुबे ने 1-1 विकेट लिया।

इसके बाद जीत के लिए मिले 259 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने 4 विकेट खोकर 45.2 ओवरों में ही हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीमी की शुरुआत अच्छी रही पर रोहित शर्मा और विराट कोहली के विकेट सस्ते में गिरने से टीम दबाव में आ गयी। ऐसे में अक्षर और वॉशिंगटन ने छठे विकेट के लिए 102 रनों की शतकीय साझेदारी कर टीम को संभाला। सुंदर ने 63 गेंदों में 1 छक्के और 4 चौकों की सहायता से 52 रन जबकि अक्षर ने 52 गेंदों पर 5 छक्के और 3 चौकों की मदद से 57 रन बनाकर बनाये। भारतीय टीम की जीत में कप्तान शुभमन गिल की अच्छी पारी की भी अहम भूमिका रही। शुभमन ने रोहित शर्मा के 11 और विराट कोहली के 5 रन पर आउट होने के बाद पारी संभाली और श्रेयस अय्यर 35 रनों के साथ तीसरे विकेट के लिए 103 गेंदों में 101 रन बनाये। शुभमन ने 75 गेंदों पर 1 छक्के और 11 चौकों की सहायता से 80 रन बनाये।

धोनी के कान में लगे मिनिएचर रेडियो रिसीवर को देख हैरान हुए प्रसंसक

एजबेस्टन ।

यहां भारत और इंग्लैंड के बीच हुए पहले एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले को देखने पहुंचे पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी मैच के दौरान कान में एक रहस्यमयी डिवाइस लगाये दिखे। जब इसके बारे में प्रशंसकों को पता चला तो वे एक बार फिर धोनी की सादगी के कायल हो गये। दरअसल धोनी के कान में जो छोटा सा ईयरपीस नजर आ रहा था, वह कोई साधारण ब्लूटूथ हेडफोन या ईयरबड्स नहीं था। यह एक मिनिएचर स्टेडियम रेडियो रिसीवर था। इंग्लैंड के क्रिकेट मैदानों पर यह एक बेहद लोकप्रिय और पुराना पारंपरिक उपकरण है जिसे ले जाया जाता है। इसका कारण ये है कि इंग्लैंड में मैच के दौरान लाइव रेडियो कमेंट्री सुनने की एक लंबी और समृद्ध परंपरा रही है।

फीफा विश्वकप सेमीफाइनल में स्पेन के हाथों हार से बाहर हुई फ्रांस

एमबाप्पे का तीसरी बार फाइनल खेलने का सपना टूटा

डलास ।

फ्रांस की टीम फीफा विश्वकप फुटबॉल में यहां हुए पहले सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन के हाथों 0-2 से करारी हार के साथ ही बाहर हो गयी है। इसी के साथ ही फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे का लगातार तीसरी बार विश्व कप फाइनल खेलने का सपना टूट गया है। फ्रांस की हार का कारण एमबाप्पे बने जबकि सभी को उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी पर वह लय में नहीं दिखे। एमबाप्पे टीम के लिए सबसे कमजोर कड़ी साबित हुए। सेमीफाइनल में उनका प्रदर्शन उनके कद के अनुरूप बिल्कुल नहीं रहा जबकि वह अभी भी गोल्डन बूट की रेस में बने हुए हैं। इस पूरे मुकाबले के दौरान, एमबाप्पे जिस गति और तेजी के लिए जाने जाते हैं। वह नहीं दिखी। पहले हाफ में, उन्होंने सभी फॉरवर्ड खिलाड़ियों में सबसे कम, केवल 15 बार ही गेंद हासिल कर सके। यह उनके जैसे खिलाड़ी के लिए काफी कम था जिस पर टीम के आक्रमण की जिम्मेदारी थी। मैच में उन्हें 67वें मिनट में अवसर मिला पर उनका शॉट स्पेन के डिफेंडर मार्क कुकुरेला से टकराकर थोड़ा बाहर चला गया। हालांकि, उस समय तक फ्रांस पहले ही दो गोल से पीछे हो गय था। जिससे यह मौका भी पर्याप्त नहीं कहा जा सकता था।

एमबाप्पे को 86वें मिनट में पीला कार्ड भी दिखाया गया, तब वह स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन से टकरा गए। सिमोन झुककर गेंद उठाने की कोशिश कर रहे थे, और एमबाप्पे की तेजी के कारण दोनों के बीच टक्कर हुई, जिससे सिमोन मैदान पर गिर गए। यह घटना मैदान पर उनकी बढ़ती निराशा और मैच में असफलता को दिखाती है। इससे पहले मोरक्को के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में उन्हें 77वें मिनट में मैदान से बाहर कर दिया गया था, हालांकि उस मैच में उन्होंने टूर्नामेंट का अपना आठवां गोल जरूर किया था, जिससे उनका गोल्डन बूट की दौड़ में बने

रहना सुनिश्चित हुआ। अब फ्रांस शनिवार को फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में तीसरे स्थान के मुकाबले में दूसरे सेमीफाइनल में हारने वाली टीम से खेलेगी। एमबाप्पे ने चार साल पहले कतर विश्व कप में भी आठ गोल किए थे, जहां फाइनल में फ्रांस को अर्जेंटीना के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा था।

अक्षर ने युवराज का एक रिकार्ड तोड़ा

एजबेस्टन ।

भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मुकाबले में गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के दौरान ही पूर्व ऑलराउडर युवराज सिंह का एक रिकार्ड तोड़ दिया। अक्षर ने इस मैच में 4 विकेट लेने अलावा नाबाद 57 रन भी बनाये।

इस दोहरे प्रदर्शन के साथ अक्षर एकदिवसीय क्रिकेट में 4 या उससे अधिक विकेट लेने और 50 से अधिक रन बनाने वाले सबसे उम्रदराज भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। 32 साल 175 दिन की उम्र में उन्होंने यह कारनामा कर दिखाया, इससे पहले ये उपलब्धि युवराज ने 2011 विश्व कप में आयरलैंड के खिलाफ 5 विकेट और 50 रन बनाकर हासिल की थी।

तब उनकी उम्री 32 साल 175 थी।

अक्षर ने अपने इस प्रदर्शन के साथ ही कई और रिकार्ड भी बनाये है। अब वह इंग्लैंड की धरती पर मेजबानों के खिलाफ एकदिवसीय मैच में 4 विकेट लेने और अर्धशतक लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं, उनसे पहले यह कारनामा केवल हार्दिक पांड्या और न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र ने किया था। एकदिवसीय क्रिकेट के 54 साल के इतिहास में इंग्लैंड में 500 से अधिक मैच खेले गए हैं पर केवल 10 खिलाड़ी ही ऐसे रहे हैं जिन्होंने एक ही मैच में 4 या उससे ज्यादा विकेट के साथ अर्धशतक भी लगाया है, और अक्षर पटेल इन्ही में से एक हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुनिया के इन जादुई झरनों को देखकर बन जाएगा आपका दिन, छूमंतर होगा सारा स्ट्रेस

दुनिया भर में प्राकृतिक सुंदरता का एक अनोखा अनुभव झरनों में देखने को मिलता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा काफी मनमोहक होता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा देखना लोगों के मन को सुकून पहुंचाने के साथ रोमांच का अनुभव कराता है। बता दें कि दुनिया में कई ऐसे झरने हैं, जिनकी ऊंचाई और सुंदरता उनको खास बनाती है। इन झरनों की ऊंचाई सुनकर कोई भी चौंक जाएगा, वहीं इनकी सुंदरता भी उतनी ही सुकूनदायक है।

पहाड़ों, गहरी घाटियों और हरियाली बीच बहते हुए यह झरने प्राकृतिक कला का अनूठा और अद्वितीय उदाहरण है। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी है और घूमने के भी शौकीन हैं, तो आपको दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

एंजेल फॉल्स , वेनेजुएला

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप पर एक देश है। जहां पर एंजेल फॉल्स बहता है। वेनेजुएला का यह एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। जोकि वेनेजुएला के केनैमा नेशनल पार्क में स्थित है। इस झरने की धारा इतनी ऊंचाई से गिरती है कि पानी नीचे तक पहुंचते-पहुंचते बारीक-बारीक बूंदों में बदल जाता है।

टुगेला फॉल्स, दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका में मौजूद टुगेला फॉल्स की ऊंचाई 3,110 फीट है। बारिश के मौसम में यहां का नजारा देखने लायक है। यह रॉयल नेटल नेशनल पार्क के ड्रेकेन्सबर्ग माउंटेन्स पर स्थित है।

थ्री सिस्टर्स फॉल्स, पेरू

पेरू एक बेहद खूबसूरत जगह है, जहां पर आपको थ्री सिस्टर्स फॉल्स नाम का शानदार जलप्रपात देखने को मिलेगा। यह अमेजन जंगल के बीच स्थित है और तीन स्तरों में बहता है। इसी वजह से इसका नाम %थ्री सिस्टर्स% पड़ा। ट्रैकिंग और रोमांच पसंद करने वालों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है।

ओलूपेना फॉल्स, हवाई

संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई में करीब 900 मीटर की ऊंचाई पर ओलूपेना फॉल्स है। ओलूपेना फॉल्स सीधे समंदर से लगती चट्टानों से गिरता है और सिर्फ बोट या हेलिकॉप्टर से ही देखा जा सकता है।

युंबिला फॉल्स, पेरू

बता दें कि युबिला फॉल्स सबसे ऊंचे झरनों में शामिल है, यह पेरू में है। हाल ही में खोज में यह झरना पाया गया है। जोकि पेरू के घने जंगलों में छिपा है और अब धीरे-धीरे फेमस हो रहा है। यहां पर आपको चारों ओर मनमोहक नजारा देखने को मिलेगा।

श्रीनगर सिर्फ एक शहर नहीं, एक ऐसा अनुभव जो आपकी रूह को छू जाए!

भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता। हरे-भरे बाग़, बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ, शांत झीलें और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत श्रीनगर को न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य और झीलों का शहर

श्रीनगर की सबसे प्रसिद्ध पहचान डल झील है। इसमें हाउसबोट पर रहने का अनुभव जीवन भर याद रहता है। शिकारा की सवारी करते हुए झील के शांत पानी पर तैरते बाजार, कमल के फूल और आसपास के हिमालयी नज़ारे किसी स्वप्न से कम नहीं लगते। नगीन झील भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो शांति और एकांत की तलाश में होते हैं।

बाग-बग़ीचों की सौगात

मुग़ल बादशाहों ने श्रीनगर में कई खूबसूरत बाग़ बनवाए, जिनमें प्रमुख हैं:

शालीमार बाग़

निशात बाग़

चश्म-ए-शाही

ये बाग़ झेलम नदी के किनारे स्थित हैं और यहाँ से झील व पर्वतों का दृश्य अत्यंत मनोरम दिखाई देता है।

धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल

श्रीनगर में कई ऐतिहासिक मस्जिदें और मंदिर हैं। इनमें प्रमुख हैं:

हज़रतबल दरगाह- जहाँ पैगंबर मोहम्मद का एक पवित्र अवशेष रखा गया है।

शंकराचार्य मंदिर- जो एक पहाड़ी पर स्थित है और वहाँ से श्रीनगर का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

जामा मस्जिद- पुरानी कश्मीर वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण।

स्थानीय बाज़ार और हस्तशिल्प

श्रीनगर के बाज़ारों में कश्मीरी कालीन, पश्मीना शॉल, लकड़ी की नक़्क़ाशी और कागज़ी माछे की कला खरीदने लायक होती है। लाल चौक, बादशाह चौक और रेजिडेंसी रोड मुख्य शॉपिंग स्थान हैं।

खानपान की विशेषता - कश्मीरी व्यंजन विश्वविख्यात हैं। रोगनजोश, यखनी, दुम आलू, और गुस्ताबा जैसे व्यंजन स्वादिष्ट और मसालेदार होते हैं। चाय प्रेमियों को कहवा ज़रूर आज़माना चाहिए - यह केसर और सूखे मेवों से बना एक पारंपरिक पेय है।

पर्यटन के लिए उपयुक्त समय

श्रीनगर जाने का सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर के बीच होता है, जब मौसम सुहावना रहता है। बर्फबारी का आनंद लेना हो तो दिसंबर से फरवरी का समय उपयुक्त है।

श्रीनगर केवल एक शहर नहीं, बल्कि एक अनुभव है- जहाँ हर मोड़ पर प्रकृति, संस्कृति और शांति एक साथ मिलती हैं। यदि आप प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत और मेहमाननवाज़ी का मिश्रण चाहते हैं, तो श्रीनगर आपकी अगली यात्रा सूची में अवश्य होना चाहिए।

मांडू पर्यटन: प्रेम, वास्तुकला और इतिहास की अद्भुत नगरी

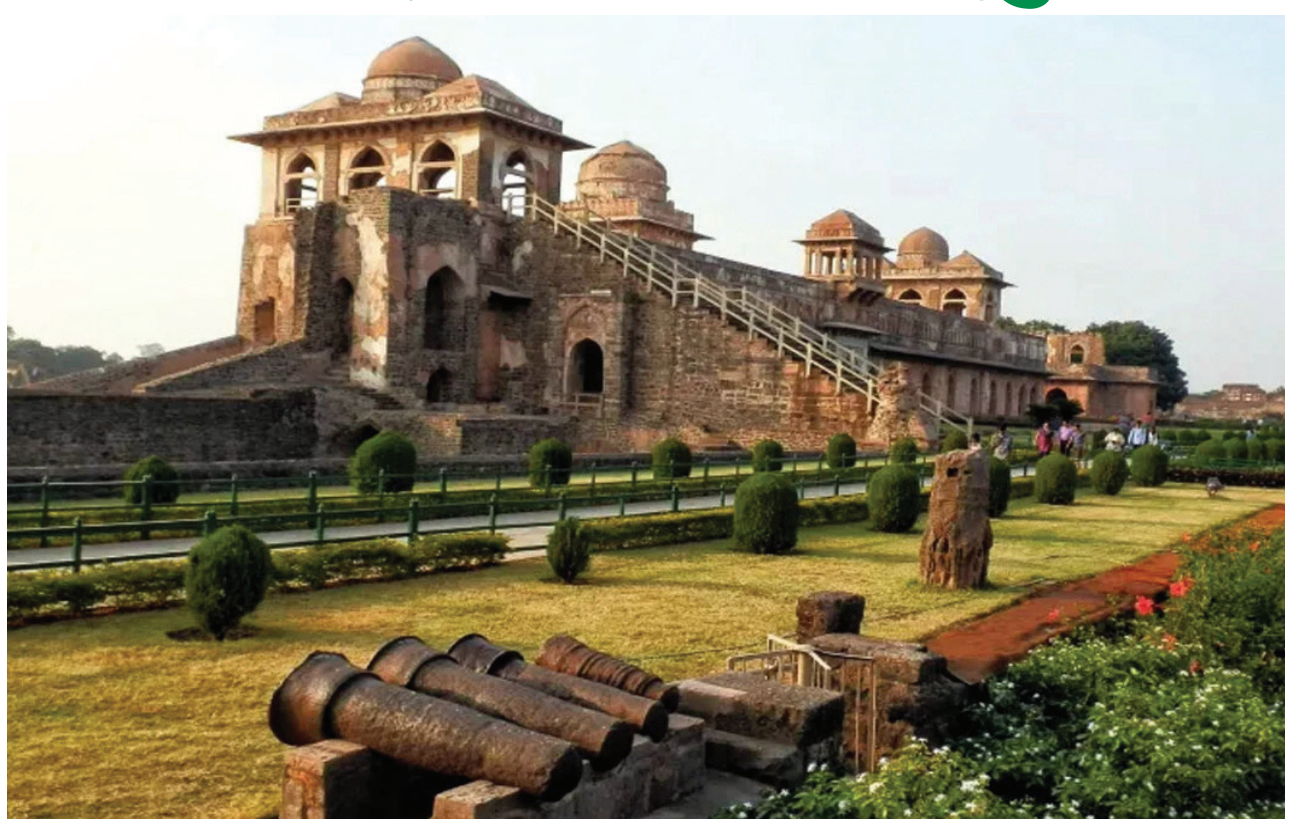

मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ या शादीशुदा पत्थरों का शहर भी कहा जाता है, भारतीय पर्यटन मानचित्र पर एक अनूठा और ऐतिहासिक स्थल है। पहाड़ियों पर बसा यह नगर न केवल स्थापत्य कला और प्राचीन स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि रानी रूपमती और बाज बहादुर की अमर प्रेम कहानी के लिए भी मशहूर है। मांडू की हवाओं में इतिहास की गूंज, प्रेम की सरगम और स्थापत्य का सौंदर्य साथ-साथ बहता है।

मांडू का ऐतिहासिक परिचय

मांडू का इतिहास लगभग 6वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसका स्वर्ण युग मालवा सल्तनत (15वीं सदी) के दौरान आया। इस दौरान यहाँ कई भव्य महलों, मस्जिदों, बावड़ियों और दरवाजों का निर्माण हुआ। मांडू की भौगोलिक स्थिति— विंध्याचल की पहाड़ियों पर और नर्मदा घाटी के किनारे— इसे एक स्वाभाविक किला बनाती है।

मांडू के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1.जहाज महल

यह महल दो झीलों— कपूर तालाब और मुंज तालाब— के बीच स्थित है, जिससे यह एक जहाज की तरह प्रतीत होता है। इसका निर्माण 15वीं सदी में सुल्तान ग़ियासुद्दीन खिलजी ने अपनी 15,000 रानियों के लिए करवाया था। रात्रि में इसका प्रतिबिंब जल में झलकता है, जो एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

2.हिंदोला महल

हिंदोला (झूला) महल अपनी झुकी हुई दीवारों के कारण प्रसिद्ध है। इसका उपयोग दरबारी सभाओं के लिए किया जाता था। इसकी स्थापत्य शैली वास्तुकला के चमत्कारों में गिनी जाती है।

3.रूपमती महल

यह वह स्थान है जहाँ से रानी रूपमती नर्मदा नदी को निहारती थीं। यह प्रेम कहानी का सबसे भावनात्मक स्थल है, जहाँ से मांडू की घाटी और नर्मदा के दर्शन होते हैं।

4.बाज बहादुर महल

यह महल मांडू के अंतिम स्वतंत्र शासक बाज बहादुर का निवास था। इसकी वास्तुकला में राजपूत और मुस्लिम शैलियों का संगम देखने को मिलता है।

5.जामा मस्जिद

यह मस्जिद दिल्ली की जामा मस्जिद से प्रेरित है और मांडू के स्थापत्य वैभव को दर्शाती है। इसके विशाल प्रांगण और सुंदर मेहराबें इसकी विशेषता हैं।

6.रेवा कुंड

यह पवित्र कुंड नर्मदा नदी को समर्पित है और माना जाता है कि रूपमती इसी से जल ग्रहण करती थीं।

मांडू उत्सव

प्रत्येक वर्ष दिसंबर-जनवरी के महीने में मांडू उत्सव का आयोजन होता है, जिसमें स्थानीय लोक-संगीत, नृत्य, कला प्रदर्शन, साइकिल टूर और हॉट एयर बलून जैसी गतिविधियाँ होती हैं। यह उत्सव मांडू को जीवंत रूप देता है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डा: इंदौर (लगभग 100 किमी)

रेलवे स्टेशन: इंदौर और रतलाम दोनों से सड़क मार्ग उपलब्ध

सड़क मार्ग: इंदौर, धार और महेश्वर से मांडू के लिए बसें और टैक्सियाँ आसानी से मिलती हैं

ठहरने की व्यवस्था

मांडू में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल और कुछ निजी रिसॉर्ट्स उपलब्ध हैं। प्राकृतिक सुंदरता के बीच रुकना अपने आप में एक अद्वितीय अनुभव होता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच मांडू घूमने के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है। खासकर मानसून के बाद (जुलाई-सितंबर) मांडू की हरियाली और झीलें इसे और भी सुंदर बना देती हैं।

मांडू केवल एक ऐतिहासिक नगर नहीं, बल्कि एक जीवित कथा है— प्रेम, कला और संस्कृति की। यहाँ की हवाएं रूपमती के सुरों को, दीवारें बाज बहादुर के प्रेम को और झीलें बीते समय की परछाइयों को संजोए हुए हैं। यदि आप एक शांत, सुंदर और ऐतिहासिक स्थल की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो मांडू अवश्य आपकी सूची में होना चाहिए।

मानसून में इन जगहों पर पास से महसूस कर पाएंगे प्रकृति की खूबसूरती

मानसून का मौसम आते ही बारिश की बूंदे पर धरती पर पड़ती हैं, तो प्रकृति अपनी खूबसूरती के चरम पर पहुंच जाती है। बारिश के मौसम में भारत के कुछ स्थलों पर अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। हरे-भरे जंगल, पहाड़ों से गिरते झरने, घनघोर बादलों से ढकी घाटियां और ठंडी हवाएं मन को सुकून देने का काम करती हैं। बारिश आपको प्रकृति से जुड़ने का मौका देती है। इस मौसम में घूमना और प्रकृति की खूबसूरती को महसूस करना आपको एक अलग एक्सपीरियंस दे सकता है।

इस मानसून में आप एक छोटा सा ब्रेक लेकर भीगती वादियों की सैर पर निकल जाएं। फिर चाहे वह फैमिली आउटिंग, सोलो एडवेंचर या रोमांटिक ट्रिप हो। भारत की कुछ जगहें मानसून में आपके अनुभव को यागदार बना देंगी। ऐसे में अगर आप भी बारिश में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो भारत की इन जगहों को आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

महाबलेश्वर, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के महाबलेश्वर हिल स्टेशन की खूबसूरती मानसून में देखने लायक होती है। यहां के हरे-भरे पहाड़, शानदार घाटियां और स्ट्रॉबेरी फार्म काफी लोकप्रिय हैं। मानसून में बादलों से ढके रास्ते और बहते हुए झरने इस जगह की सुंदरता को बढ़ा देते हैं। आप यहां पर वेन्ना लेक, आर्थर सीट और प्रतापगढ़ किला घूम सकते हैं।

लोनावला-खंडाला, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के पास स्थिति लोनावला और खंडाला हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत नजर आता है। यह जगह मानसून में हरियाली से ढक जाता है। झरने, ट्रेकिंग और खूबसूरत घाटियों के लिए यह मौसम बेस्ट है। अगर आप खंडाला और लोनावला घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो कुछ जगहें आकर्षण का केंद्र रहती हैं। आप यहां पर टाइगर पॉइंट, भुशी डैम और राजमाची किले को एक्सप्लोर करें।

अलेप्पी, केरल

अगर आप भी मानसून में बैकवॉटर का अनुभव और हाउसबोट की अनोखी सैर करना चाहते हैं, तो आपको केरल के अलेप्पी की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। बारिश की फुहारों के साथ शांत जल में हाउस बोट पर तैरते रहना आपको एक अलौकिक अनुभव देगा।

मुन्नार, केरल

केरल का मुन्नार चाय के बागानों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। बारिश में इन्हीं चाय के बागानों की हरियाली दोगुनी हो जाती है और यह काफी खूबसूरत नजर आती है। यहां पर बादलों से घिरे पहाड़ और शांत झीलें मनमोहक अनुभव कराती हैं। मानसून में मुन्नार एक फोटो परफेक्ट हिल स्टेशन बन जाता है। यहां पर आप एराविकुलम नेशनल पार्क और मट्टुपेट्टी डैम आदि को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

चेरापूंजी, मेघालय

दुनिया में सबसे अधिक बारिश वाले स्थानों में से एक मेघालय का चेरापूंजी है। यहां पर मानसून में सबसे ज्यादा बारिश होती है। लेकिन मानसून में चेरापूंजी का आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है। यहां पर झरने, बारिश और लिविंग रूटब्रिज इस जगह को खास बनाती हैं। अगर आप मानसून में चेरापूंजी की यात्रा करने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको सेवन सिस्टर्स फॉल्स और नोक्रेक बायोस्फीयर रिजर्व जरूरे एक्सप्लोर करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मथुरा में 2.90 करोड़ की चोरी का खुलासा, गुजराती परिवार को ठगा

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा पुलिस ने 4 माह पहले गुजरात के एक परिवार से हुई 2 करोड़ 90 लाख रुपये की सनसनीखेज चोरी का पर्दाफाश किया है। जैत थाना पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 2 करोड़ रुपये नकद और 60 लाख रुपये से अधिक की ज्वैलरी बरामद की है। गांधीनगर निवासी राकेश और मानव प्रजापति अपनी संपत्ति बेचकर वृंदावन में रहने आए थे। उन्होंने यह रकम एक फ्लैट में रखी थी, जहां उनकी मुलाकात गेस्ट हाउस संचालक आलोक और राजन से हुई। आरोपियों ने उन्हें आश्रम बनवाने का झांसा देकर मौका पाकर उनके फ्लैट से पूरी रकम पार कर दी। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि गहन छानबीन के बाद पुलिस ने राजन, आलोक, प्रेम सागर और हीरेन नामक चारों आरोपियों को दबोच लिया। इसमें प्रेम सागर और हीरेन गुजरात के ही हैं। पुलिस ने चोरी के 2 करोड़ रुपये कैश, 60 लाख से अधिक की ज्वेलरी, मोबाइल फोन और घड़ी भी बरामद की है।

महोबा में दरिंदगी : युवक के हाथ-पैर काटे, भाजपा नेता पर आरोप

महोबा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहाँ सुभाष नगर में 21 वर्षीय युवक जयवेंद्र सिंह पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर उसके दोनों हाथ और एक पैर काट दिए गए। गंभीर रूप से घायल जयवेंद्र को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है, जहाँ उसकी हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि जयवेंद्र सिंह मंगलवार रात बाइक से चंदेल पेट्रोल पंप जा रहा था, तभी पेट्रोल पंप से पहले घात लगाए बैठे करीब आधा दर्जन हमलावरों ने उस पर कुल्हाड़ी और अन्य धारदार हथियारों से निर्ममता से हमला किया। हमलावरों ने सरेआम युवक के दोनों हाथ और एक पैर काट डाले और उसके शरीर पर कई वार कर अधमरा छोड़ फरार हो गए। इस वीभत्स घटना के दौरान कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। राहगीरों की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुँची पीआरवी टीम ने घायल को जिला अस्पताल पहुँचाया। जिला अस्पताल के चिकित्साधिकारी डॉ. शिशुपाल ने बताया कि युवक की नाजुक हालत को देखकर तुरंत हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। कटे हुए अंगों को भी सुरक्षित रूप से मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, ताकि प्रत्यारोपण की संभावनाओं का परीक्षण हो सके। घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। घायल युवक के पिता राजा बाबू सिंह ने बयान में लोकल भाजपा नेता शिव प्रताप सिंह परमार और उसके साथियों पर हमले का आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस ने कहा है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और सभी पहलुओं पर साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

असम राइफल्स, सेना, बीएसएफ ने पुलिस के साथ चलाया उग्रवादियों के खिलाफ अभियान

इंफाल (एजेंसी)।, मणिपुर में असम राइफल्स ने भारतीय सेना, बीएसएफ और मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त सर्च और सैनिटाइजेशन ऑपरेशन चलाया। यह अभियान मंगलवार से उखरूल जिले के टीएम कासोम इलाके में चलाया गया। असम राइफल्स के मुताबिक यह संयुक्त अभियान हाल ही में राष्ट्रीय राजमार्ग-202 पर शांगशाक के पास नुंगशांग क्षेत्र में राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा किए गए घात लगाकर हमले के बाद शुरू किया गया। सुरक्षा बलों का उद्देश्य पूरे इलाके को सुरक्षित बनाना, संदिग्ध गतिविधियों को रोकना और उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत करना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस अभियान में असम राइफल्स, भारतीय सेना, बीएसएफ और मणिपुर पुलिस ने आपसी तालमेल के साथ इलाके की गहन तलाशी ली और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए व्यापक सैनिटाइजेशन अभियान चलाया। सुरक्षा एजेंसियां लगातार इस क्षेत्र में निगरानी कर रहे हैं ताकि भविष्य में किसी भी तरह की राष्ट्रविरोधी गतिविधि को रोका जा सके। इससे पहले 30 जून को भी असम राइफल्स ने सिविल प्रशासन और मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर मणिपुर के सीमावर्ती कामजोंग जिले में म्यांमार से आए विस्थापित नागरिकों की पहचान, सत्यापन और बायोमेट्रिक पंजीकरण के लिए एक संयुक्त अभियान चलाया था। रक्षा प्रवक्ता ने उस समय बताया था कि यह पहल सीमा प्रबंधन को मजबूत करने और म्यांमार से आए विस्थापित लोगों तक नियंत्रित और व्यवस्थित मानवीय सहायता पहुंचाने की दिशा में एक अहम कदम है। पूर्वी मणिपुर का कामजोंग जिला म्यांमार के साथ बिना बाड़ वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है। जिला प्रशासन के निर्देशों के तहत चलाए गए उस अभियान में 40 अधिकारियों और कर्मियों की संयुक्त टीम शामिल थी।

सुप्रीम कोर्ट से चारा घोटाला में राहत मिलने पर लालू यादव बोले- हां, मैं खुश हूं

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर खुशी जाहिर की। अपने आवास से बाहर निकलने पर समर्थकों ने लालू यादव का जोरदार स्वागत किया और उनके साथ सेल्फी ली। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में लालू यादव ने कहा कि हां, मैं खुश हूं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में लालू प्रसाद यादव को राहत देते हुए उनकी जमानत रद्द करने और सजा निलंबन के आदेश को समाप्त करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के देवघर कोषागार से अवैध निकासी से जुड़े मामले में झारखंड हाईकोर्ट द्वारा दी गई राहत को बरकरार रखा। चारा घोटाला मामले में हाईकोर्ट ने लालू प्रसाद यादव को जमानत देते हुए अंतिम फैसला आने तक उनकी सजा निलंबित रखी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट को उनकी लंबित आपराधिक अपील का निपटारा छह महीने के अंदर करने का निर्देश भी दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने मंगलवार को कहा था कि हाईकोर्ट के आदेश को करीब सात साल बीत चुके हैं, इसलिए इस स्तर पर उसमें हस्तक्षेप करने की जरुरत नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि 2018 से लंबित अपील पर अब शीघ्र सुनवाई होनी चाहिए। सीबीआई ने हाईकोर्ट के 12 जुलाई 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। सीबीआई का कहना था कि लालू प्रसाद यादव को इस आधार पर सजा निलंबन का लाभ दिया गया कि उन्होंने आधी सजा पूरी कर ली है, जबकि उसकी गणना सही नहीं थी।

पंजाब कांग्रेस में घमासान को लेकर एक्शन मोड में आए राहुल गांधी

विदेश यात्रा से लौटते ही खड़गे संग की अहम बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश दौरे से लौटते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पंजाब कांग्रेस में जारी नेतृत्व संकट को लेकर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक कर राज्य में बढ़ते संगठनात्मक विवाद और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा की। बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहे।

सूत्रों के अनुसार, पंजाब कांग्रेस में चल रही गुटबाजी और असंतोष को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने राज्य प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को दिल्ली तलब किया है। बघेल बुधवार को कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात कर पंजाब के राजनीतिक हालात और विभिन्न नेताओं से हुई बातचीत की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी राज्य के सभी प्रमुख नेताओं की राय सुनने के पक्षधर हैं और विधानसभा चुनाव से पहले संगठन में एकजुटता कायम करना चाहते हैं। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि आंतरिक मतभेदों और गुटबाजी के साथ चुनाव मैदान में उतरना कांग्रेस के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए विवाद को जल्द सुलझाने की कोशिश की जा रही है।

दरअसल, पंजाब कांग्रेस में असंतोष का केंद्र अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बनाए रखने वाला फैसला बताया जा रहा है। इस निर्णय का पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा और विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने विरोध किया है। इन नेताओं का मानना है कि चुनाव से पहले संगठनात्मक बदलाव जरूरी है।

भूपेश बघेल ने सौंपी रिपोर्ट

इसी बीच भूपेश बघेल ने पिछले कुछ दिनों में पंजाब का दौरा कर पार्टी के विभिन्न गुटों और वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात की तथा संगठन की जमीनी स्थिति का आकलन किया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट कांग्रेस नेतृत्व को सौंप दी है और अब दिल्ली में विस्तृत जानकारी देंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि भूपेश बघेल की रिपोर्ट और राहुल गांधी-खड़गे की चर्चा के आधार पर पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व और संगठन को लेकर आगे की रणनीति तय

की जाएगी। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के लिए राज्य इकाई में एकजुटता कायम रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता मानी जा रही है।

राम मंदिर दान विवाद : भेंट वापसी की तैयारी, ट्रस्ट में बदलाव और जांच जारी

अयोध्या (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर में दान को लेकर उठ रहे सवालों के बीच उन श्रद्धालुओं की भेंट सामग्री वापस करने की तैयारी शुरू की है, जिन्होंने प्रबंधन पर असंतोष जाहिर किया था। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का कहना है कि श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान सर्वोपरि है और इसकारण शिकायत दर्ज कराने वालों को उनकी भेंट लौटाने पर विचार हो रहा है। यह कदम तब उठाया गया है जब कई दानदाताओं ने दान रसीद न मिलने और भेंट सामग्री के रखरखाव में पारदर्शिता की कमी के आरोप लगाए थे। इधर, मंदिर में दान से जुड़ी कथित अनियमितताओं का मामला गंभीरता से जांच के दायरे में है। करीब तीन करोड़ रुपये के कथित गबन के आरोपों की जांच राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रहा है। मामले की संवेदनशीलता को देखकर सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से जांच की प्रगति पर स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। एसआईटी विभिन्न दस्तावेजों और संबंधित पक्षों से पूछताछ के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। इन विवादों के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के भीतर कई अहम प्रशासनिक बदलाव भी हुए हैं। पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा अपने पदों से इस्तीफा दे चुके हैं। साथ ही, मंदिर प्रबंधन को अधिक पेशेवर और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से पहली बार मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। ट्रस्ट का मानना है कि नए प्रशासनिक ढांचे और पारदर्शी व्यवस्था से श्रद्धालुओं का विश्वास और अधिक मजबूत होगा। अब सभी की निगाहें एसआईटी जांच के परिणामों और प्रस्तावित सुधारों पर टिकी हैं।

अपनों की बगावत और कांग्रेस के चक्रव्यूह में फंसीं दीदी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर मचे घमासान ने ममता बनर्जी को एक ऐसे चक्रव्यूह में फंसा दिया है, जिससे निकलना फिलहाल नामुमकिन लग रहा है। 21 जुलाई के ऐतिहासिक मोड़ पर ममता बनर्जी को दो अलग-अलग कोनों से दो ऐसे ऑफर मिले हैं, जो उनकी राजनीतिक साख को दांव पर लगाते हैं। पहला, ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी के बागी गुट ने ममता बनर्जी को अपनी अलग रैली में शामिल होने का न्योता भेजा है और उन्हें मार्गदर्शक का दर्जा दिया है। राजनीति में मार्गदर्शक मंडल का मतलब अमूमन सक्रिय राजनीति से विदाई माना जाता है। यानी बागी नेता ममता को सम्मान तो दे रहे हैं, लेकिन उनकी लीडरशिप को खारिज कर चुके हैं। दूसरा कांग्रेस ने सीधे उनके राजनीतिक वजूद पर चोट की है। शुभांकर सरकार ने साफ कर दिया कि कांग्रेस का मंच खुला है, लेकिन ममता को यह मानना होगा कि कांग्रेस का साथ छोड़ना उनकी भूल थी।

बता दें कि 21 जुलाई 1993 को यूथ कांग्रेस की रैली से जुड़ा मामला है, जिसमें पुलिस फायरिंग में कथित तौर पर 13 लोगों की मौत हो गई थी। खास बात यह है कि इस रैली की अगुवाई ममता बनर्जी खुद कर रही थीं। उन्होंने दिसंबर 1997 में कांग्रेस का साथ छोड़कर अपनी अलग पार्टी तृणमूल कांग्रेस बनाई थी, और तब से टीएमसी इस दिन को बड़े पैमाने पर रैलियों के साथ मनाती आ रही है, जबकि कांग्रेस भी इस दौरान कुछ कार्यक्रम करती रही है। वर्तमान स्थिति में, ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला तृणमूल का बागी गुट एस्प्लेनेड में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास अपना अलग शहीद दिवस कार्यक्रम आयोजित करेगा। दूसरी ओर, पुलिस ने ममता के नेतृत्व वाले गुट को विक्टोरिया हाउस के सामने कार्यक्रम आयोजित करने की पारंपरिक अनुमति नहीं दी है, और यह मामला अब अदालत में लंबित है। बागी गुट ने भी ममता बनर्जी को मार्गदर्शक के रूप में अपनी रैली में शामिल होने का निमंत्रण दिया है, जिससे इस दिन की राजनीतिक गहमागहमी और बढ़ गई है।

वांगचुक के अनशन को समाप्त करने लगाई जनहित याचिका

नई दिल्ली(एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के दिल्ली के जंतर-मंतर पर 18 दिनों से चल रहे अनशन को समाप्त कराने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में अदालत से अपील की गई है कि सोनम वांगचुक को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की जाए और उनकी जान बचाने के लिए उन्हें जबरन खाना खिलाकर उनका अनशन खत्म कराया जाए।

याचिकाकर्ता राकेश कुमार सैनी, जो एक एक्टिविस्ट के साथ ही वकील हैं, ने यह कदम वांगचुक के तेजी से बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए उठाया है। उन्होंने अदालत से केंद्र और दिल्ली सरकार को निर्देश देने की मांग की है कि वांगचुक को अस्पताल ले जाया जाए और उन्हें दबाव डालकर पोषक तत्व, विटामिन और खनिज तरल के रूप में दिए जाएं, जो मानव शरीर के जीवित रहने के लिए आवश्यक हैं।

सोनम वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के मंच पर नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र

प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 28 जून से अनशन पर बैठे हैं। वकील सैनी ने अपनी याचिका में चिंता व्यक्त की है कि यदि सोनम वांगचुक अनशन के दौरान मर जाते हैं, तो यह देश और दुनिया के लिए एक अत्यंत शर्मनाक बात होगी। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह वांगचुक के साथ किसी खतरनाक अपराधी, आतंकवादी या देश के गद्दार जैसा व्यवहार कर रही है और उन्हें एक मशहूर सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता की चिंता नहीं है। सैनी ने जोर देकर कहा कि सरकार कम से कम इतना तो कर सकती है कि उन्हें उचित मेडिकल सहायता दी जाए, भले ही वह जबरन ही क्यों न हो, ताकि उनकी जान बचाई जा सके। यह महत्वपूर्ण है कि सोनम वांगचुक के इस अनशन को लेकर सरकार और सीजेपी के प्रतिनिधियों के बीच अभी तक किसी तरह की बातचीत या मध्यस्थता शुरू नहीं हुई है। हालांकि, देश के विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं ने अब वांगचुक तक पहुंचना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ दिनों में आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी सहित कई दलों के नेता जंतर-मंतर पर वांगचुक से मिलने पहुंचे हैं। ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल जैसे प्रमुख नेताओं ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों के जरिए भी सोनम वांगचुक से अनशन खत्म करने की अपील की है, जिससे इस मुद्दे की गंभीरता और राजनीतिक संवेदनशीलता और बढ़ गई है। याचिका पर अदालत का फैसला और सरकार की अगली प्रतिक्रिया अब सबकी निगाह में होगी।

संजय राउत : हनुमान चालीसा के लिए कोई शर्त नहीं, महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष एकजुट

नागपुर(एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने हनुमान चालीसा पढ़ने या मंदिर जाने को लेकर किसी शर्त की बात को सिरे से खारिज कर दिया है। यह बयान उन्होंने एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात पर अपनी प्रतिक्रिया देकर दिया। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने कहा कि जयंत पाटिल की मुख्यमंत्री से मुलाकात हुई है, लेकिन मंदिर जाने को लेकर मेरी कोई कंडीशन नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हनुमान चालीसा पढ़ने में भला क्या शर्त हो सकती है? राउत ने बताया कि 18 तारीख को उद्धव ठाकरे नागपुर आएंगे और वे सब मिलकर मंदिर में दर्शन करने वाले है। यदि बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं, तब मंदिर के बाहर बने मंच से उद्धव ठाकरे उन्हें संबोधित कर सकते है। इसी क्रम में, उद्धव ठाकरे ने महिला आरक्षण बिल पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि अगर सरकार यह बिल फिर लाती है, तब पूरा विपक्ष एकजुट होकर इसका विरोध करेगा। ठाकरे ने जानकारी दी कि उन्होंने बिल में सुधार के लिए अपनी बातें रखी हैं और यदि उनकी बात मानी जाती है, तभी वे उस पर चर्चा हो सकती है। उद्धव ठाकरे ने सुप्रिया सुले से बातचीत के सवाल पर कहा कि वह खुलकर अपनी बात कहने वाली नेता हैं। वहीं, कांग्रेस नेता हुसैन दलवई ने भी राजनीतिक गलियारों में चल रही अटकलों पर अपनी बात रखी। शरद पवार के भाजपा में शामिल होने की संभावना पर दलवई ने दृढ़ता से कहा कि मुझे नहीं लगता कि कुछ लोग जा सकते हैं, लेकिन शरद पवार बिल्कुल भी नहीं जाएंगे। राम मंदिर चढ़ावा मामले पर दलवई ने जगद्गुरु शंकराचार्य के बयान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने सुना है कि शंकराचार्य जी ने कहा है कि इससे क्या होगा? कुछ नहीं होगा। यह राम मंदिर नहीं बल्कि आरएसएस और भाजपा का दफ्तर है। इसीलिए वे अभी तक वहां नहीं गए हैं।

भारतीय मूल के अनिल मेनन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना

आठ महीने चलेगा वैज्ञानिकों का मिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन मंगलवार को कजाकिस्तान से सोयूज एमएस-29 अंतरिक्ष यान के जरिए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए सफलतापूर्वक रवाना हो गए हैं। उनके साथ दो रूसी अंतरिक्ष यात्री, प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना भी इस आठ महीने लंबे मिशन का हिस्सा हैं। यह अंतरिक्ष यान भारतीय समयानुसार रात 8 बजकर 17 मिनट पर बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से प्रक्षेपित हुआ और पृथ्वी के दो चक्कर लगाने के बाद, रात 11 बजकर 56 मिनट पर स्वत- स्टेशन के प्रिचाल मॉड्यूल से जुड़ गया। यह अनिल मेनन की पहली अंतरिक्ष यात्रा है, जबकि उनके रूसी सहयात्री दूसरी बार अंतरिक्ष मिशन पर गए हैं।

प्रक्षेपण के दौरान अनिल मेनन की अंतरिक्ष यात्री पत्नी अन्ना विल्हेम समेत उनके परिवार के सदस्य और नासा के प्रशासक जेरेड आइज़ैकमैन बैकोनूर कॉस्मोड्रोम में मौजूद थे, जिन्होंने इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनकर उनका उत्साह बढ़ाया। अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने के बाद, ये तीनों यात्री नासा के अंतरिक्ष यात्रियों (जेसिका मीर, जैक हैथवे और क्रिस विलियम्स), यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की अंतरिक्ष यात्री सोफी एडेनोट, और रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री सर्गेई कुद-स्वेर्चकोव,

सर्गेई मिकाएव और आंद्रेई फेद्याएव के साथ मिलकर मिशन को आगे बढ़ाएंगे। यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य लगभग आठ महीने तक अंतरिक्ष में रहकर वैज्ञानिक अनुसंधान करना और नई प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करना है, जिसका लक्ष्य मानव अंतरिक्ष अन्वेषण को आगे बढ़ाना और पृथ्वी पर जीवन को लाभ पहुंचाने वाली तकनीकों का विकास करना है। तीनों की अप्रैल 2027 में पृथ्वी पर वापसी निर्धारित है। रूस की अंतर्राष्ट्रीय मानवीय सहयोग एजेंसी की प्रमुख येलेना रेमिज़ोवा ने बताया कि इस रॉकेट के साथ भारतीय स्कूली बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकृतियां भी अंतरिक्ष में भेजी जा रही हैं, जो एक प्रतीकात्मक और प्रेरक कदम है। अनिल मेनन का जन्म अमेरिका के मिनियापोलिस में यूक्रेनी और भारतीय मूल के प्रवासी माता-पिता के घर हुआ था। वह पेशे से इमरजेंसी मेडिसिन फिजिशियन हैं और अमेरिकी स्पेस फोर्स में कर्नल के पद पर कार्यरत हैं। अमेरिकी वायुसेना में अपनी सेवा के दौरान उन्होंने ऑपरेशन एंड्यूरिंग फ्रीडम के तहत अफगानिस्तान में अग्रिम मोर्चे पर काम किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने हिमालयन रेस्क्यू एसोसिएशन के साथ जुड़कर माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों को चिकित्सा सहायता प्रदान की है। उन्होंने रोटरी एम्बेसडोरियल स्कॉलर के रूप में भारत में एक वर्ष बिताया था, जहाँ उन्होंने पोलियो टीकाकरण अभियान का अध्ययन और उसमें सहयोग किया।

होर्मुज में बेकसूर भारतीयों पर हमले बर्दाश्त नहीं : भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज में अमेरिका और ईरान के बीच की जंग अब पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर हो चुकी है, और तेल के इस महत्वपूर्ण रास्ते से गुजरना अब सीधे मौत के मुंह में जाने जैसा हो गया है। इस दुश्मनी में सबसे ज्यादा बेकसूर भारतीय नाविक पिस रहे हैं, क्योंकि दुनिया भर के मर्चेंट नेवी वर्कफोर्स में करीब 10 से 17 प्रतिशत हिस्सेदारी अकेले भारतीयों की है। यही वजह है कि होर्मुज में जब भी कोई हमला होता है, तो वहां भारतीय जरूर फंस जाते हैं और अपनी जान गंवा बैठते हैं। हालांकि, अपने लोगों पर इस तरह की आंच आना भारत को कतई बर्दाश्त नहीं है। अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भारत ने जैसी सख्त चेतावनी हाल ही में ईरान को दी है, ठीक वैसे ही वह अमेरिका को भी खरी-खरी सुनाने से पीछे नहीं हटा था, जिससे भारत की स्वतंत्र और दृढ़ विदेश नीति स्पष्ट होती है।

किसी देश के राजनयिक को सार्वजनिक रूप से तलब करने का मतलब उस देश को सीधी और सख्त चेतावनी देना

होता है, और भारत ने इसी कूटनीतिक रास्ते का सहारा लिया। मंगलवार को जब ईरान की क्रूज मिसाइलों ने यूएई के दो तेल टैंकरों पर हमला किया और उसमें एक भारतीय नाविक की दुखद मौत हो गई, तो भारत सरकार ने बिना एक पल गंवाए एक्शन लिया। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में मौजूद ईरान के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन मोहम्मद जवाद होसैनी को तुरंत तलब कर लिया। यह मुलाकात कोई बंद कमरे की सामान्य बातचीत नहीं थी, बल्कि इसे जानबूझकर फुल पब्लिक व्यू में रखा गया। जब ईरानी राजनयिक विदेश मंत्रालय के दफ्तर पहुंचे तो वहां टीवी न्यूज कैमरों की भारी भीड़ मौजूद थी, जो भारत के गुस्से को सीधे तेहरान तक लाइव पहुंचा रही थी। विदेश मंत्रालय के पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान डिवीजन के जॉइंट सेक्रेटरी आनंद प्रकाश ने होसैनी के सामने बेहद सख्त शब्दों में भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया और साफ कह दिया कि हमारे नाविकों पर इस तरह की बर्बरता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में 13 जुलाई को यूएई के दो तेल टैंकर 'मोम्बासा' और 'अल बहिया' ओमान की समुद्री सीमा के पास से बेहद शांति से गुजर रहे थे, तभी अचानक ईरान की तरफ से दागी गईं दो विनाशकारी क्रूज मिसाइलें इन जहाजों से आकर टकरा गईं। यह हमला इतना भीषण था कि मिसाइल लगते ही दोनों जहाजों में भयंकर आग लग गई और वे जलते हुए मलबे में तब्दील होने लगे। इस हमले में 'मोम्बासा' टैंकर पर सवार एक भारतीय नाविक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इसके अलावा आठ अन्य नाविक बुरी तरह झुलस गए, जिनमें छह भारतीय और दो यूक्रेन के नागरिक शामिल हैं। घायलों में से चार भारतीयों की हालत इतनी गंभीर है कि वे जिंदगी के लिए जंग लड़ रहे हैं।

गडकरी की सलाह- आप चाहें तो 100 फीसद पेट्रोल ज्यादा दाम में खरीद लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में ई20 यानी 20 फीसदी एथनॉल मिले हुए पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर जारी चर्चाओं और सोशल मीडिया पर फैल रही चिंताओं के बीच, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जो उपभोक्ता एथनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, वे पेट्रोल पंपों पर 100 फीसदी पेट्रोल भी खरीद सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें अधिक कीमत चुकानी होगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब ई20 ईंधन देश के लगभग हर फ्यूल स्टेशन पर उपलब्ध है और इसे लेकर वाहन मालिकों के मन में विभिन्न सवाल उठ रहे हैं। गडकरी इससे पहले भी कह चुके हैं कि एथनॉल मिले हुए ईंधन के चलते वाहन खराब होने की कोई समस्या सामने नहीं आई है, जिससे सरकार के एथनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम पर उनका भरोसा कायम है।

सोशल मीडिया पर ईंधन की गुणवत्ता को लेकर प्रसारित हो रहीं चिंताओं को दूर करने और ग्राहकों को आश्वस्त करने के लिए, सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड - ने देश भर में अपने खुदरा पंपों पर ईंधन गुणवत्ता की जांच तेज कर दी है। इन कंपनियों ने ग्राहकों से अपील की है कि वे ईंधन गुणवत्ता से जुड़ी किसी भी शिकायत को सीधे पेट्रोल पंप या कंपनी के ग्राहक सेवा माध्यमों से दर्ज कराएं और सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट पोस्टों पर भरोसा न करें। यह कदम सरकार और तेल कंपनियों की ओर से उपभोक्ताओं को ई20 ईंधन की सुरक्षा और गुणवत्ता के प्रति आश्वस्त करने का प्रयास है।

इस बीच, आईआईटी कानपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में इंजन रिसर्च लैबोरेटरी के परियोजना वैज्ञानिक ध्रुव राज करणा ने भी ई20 ईंधन को लेकर चल रही अफवाहों का खंडन किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययन में यह सामने आया है कि ई20 से गाड़ियों के इंजन को नुकसान, जंग लगने या किसी अन्य तकनीकी समस्या होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। करणा ने यह भी स्पष्ट किया कि संस्थान के अध्ययनों में ई20 के कारण गाड़ियों के माइलेज में कोई खास कमी नहीं पाई गई है। उनके अनुसार, माइलेज में कोई भी बदलाव दरअसल ईंधन के बजाय गाड़ी चलाने की आदतों, सड़क की स्थिति और गाड़ी के रखरखाव से ज्यादा प्रभावित होता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, अब तक किए गए परीक्षणों में इंजन के टिकाऊपन या गाड़ी की रफ्तार और माइलेज पर ई20 ईंधन का कोई गलत असर नहीं देखा गया है, जो इस नई ईंधन नीति के प्रति वैज्ञानिक समर्थन को दर्शाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में प्रभु श्रीराम की 81 फीट ऊंची मूर्ति बनवा रहा युवक गिरफ्तार, धन शोधन का लगा आरोप

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में प्रभु श्रीराम की 81 फीट ऊंची मूर्ति का निर्माण करवा रहे हरि दास तारोनी को पुलिस ने धन शोधन के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया। हरि दास की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब कट्टरपंथियों द्वारा प्रभु श्रीराम की तस्वीर को अपमानित करने के विरोध में अल्पसंख्यक समुदाय देशव्यापी प्रदर्शन कर रहा है। बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद के महासचिव मनिंद्र कुमार नाथ ने हरि दास तारोनी की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने खास कहा, मैंने अभी गाइबांधा के पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात की। उन्होंने बताया कि हरि दास को धन शोधन के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेश सीआईडी ने हरि दास को ढाका के उत्तरा इलाके से गिरफ्तार किया है। इससे पहले भारत ने 23 जून को बांग्लादेश से कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई शुरू करने और अल्पसंख्यक समुदायों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने का पुरजोर आग्रह किया था। बांग्लादेश की सरकार ने कट्टरपंथियों के दबाव में गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी उपजिला में श्रीश्री राधा गोविंद और काली मंदिर में हो रहे भगवान श्रीराम की दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति के निर्माण को रुकवा दिया है। काले पत्थर से बनाई जा रही इस विशाल मूर्ति की अनुमानित लागत 17 करोड़ भारतीय रुपये है। रामचंद्रपुर गांव में स्थित इस धार्मिक परिसर में कुल 144 देवी-देवताओं की भव्य प्रतिमाएं स्थापित करने की योजना है।

पाकिस्तान में बैंक लूट के दौरान गोलीबारी में हिंदू डॉक्टर की मौत, जांच जारी

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सोमवार को 28 वर्षीय हिंदू डॉक्टर की लूटपाट के दौरान हत्या कर दी गई। यह घटना कराची के पॉश क्लिफ्टन इलाके में हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एसएसपी मेहरोज अली ने बताया कि आकाश चंद की मौत उस समय हुई, जब एक निजी बैंक के बाहर लुटेरों और बैंक के सुरक्षा गार्ड के बीच गोलीबारी हुई। अली ने बताया कि चंद अपने पिता और चचेरे भाई के साथ दूसरे बैंक से 50 लाख पाकिस्तानी रुपये निकालकर लाए थे। उन्हें यह रकम दूसरे बैंक में जमा करनी थी। वे 25-25 लाख रुपये के दो पैकेट लेकर जा रहे थे। अली ने बताया, जैसे ही उनकी कार बैंक के बाहर रुकी। उनके पीछे एक दूसरी कार आकर रुकी। उसमें सवार लोगों ने पैसे लूटने की कोशिश की। तभी बैंक के दरवाजे पर तैनात सुरक्षा गार्ड ने गोली चला दी। लुटेरों ने भी जवाबी गोलीबारी की, जिसमें चंद की मौत हो गई। लुटेरे 25 लाख रुपये का एक पैकेट लेकर फरार हो गए। अली ने बताया, हम इस मामले की जांच कर रहे हैं कि क्या यह अंदर के किसी व्यक्ति की मिलीभगत से किया गया था। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि चंद की मौत किसकी गोली से हुई। शुरुआत में सुरक्षा गार्ड को लगा था कि जिस कार से परिवार आया था, वह भी लुटेरों के साथ शामिल हो सकती है।

भारत-ईयू एफटीए से बढ़ेंगे सहयोग के अवसर, जर्मनी के सांसदों से राजदूत गुप्ते की अहम बातचीत

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते और जर्मन संसद (बुंडेस्टाग) के सदस्य व भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डर्क वीजे ने दोनों देशों के बीच बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'राजदूत अजीत गुप्ते ने दस जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डर्क वीजे से मुलाकात की। इस दौरान भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, संसदों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने और भारत के राज्यों तथा जर्मनी के संघीय राज्यों (लैंडर) के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।' राजदूत अजीत गुप्ते ने बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मैटिन हकवेर्डी से भी मुलाकात की। इस बैठक में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से मिलने वाले अवसरों पर चर्चा हुई। दूतावास ने 'एक्स' पर बताया, 'राजदूत अजीत गुप्ते ने 9 जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मैटिन हकवेर्डी से मुलाकात की। बातचीत में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, भारत-ईयू एफटीए के अवसरों का इस्तेमाल करने, बढ़ते रक्षा और सुरक्षा सहयोग तथा वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई।' पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के एवियां में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से मुलाकात की थी। वदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-जर्मनी संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और भारत की यात्रा तथा इस साल की शुरुआत में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत पूरी होने के बाद रणनीतिक साझेदारी में आई नई गति पर संतोष जताया।

होर्मुज में ईरान के मिसाइल हमले में भारतीय नाविक की मौत, यूएई के तेल टैंकरों को बनाया निशाना; 8 घायल

तेहरान, एजेंसी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान की ओर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तेल टैंकरों पर किए गए भीषण मिसाइल हमले ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सनसनी फैला दी है। इस हमले में न केवल संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है, बल्कि एक भारतीय नाविक ने अपनी जान भी गंवाई है।

ईरान के हमले में 8 लोग घायल : जानकारी के मुताबिक, ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे संयुक्त अरब अमीरात के झंडे वाले दो तेल टैंकरों को निशाना बनाया। इन जहाजों पर ईरानी सेना ने सीधी मिसाइलें दागीं। यूएई की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस हमले की पुष्टि की गई है। इस अचानक हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है, जबकि चालक दल के आठ अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

जहाज से 20 प्रतिशत टोल : ईरान का यह हमला उस समय हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज क्षेत्र के लिए एक बेहद विवादित और बड़ी घोषणा की है। ट्रंप ने खुद को 'होर्मुज का गार्जियन' घोषित करते हुए ऐलान किया है कि अब इस रास्ते से गुजरने वाले हर जहाज से 20 प्रतिशत टोल वसूला जाएगा। ट्रंप का तर्क है कि चूंकि अमेरिकी नौसेना इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को सुरक्षा प्रदान कर रही है, इसलिए उसे इस सेवा के बदले टैक्स मिलना चाहिए।

होर्मुज बंद होने से बढ़ा तनाव : क्षेत्र में तनाव तब चरम पर पहुंच गया जब ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने होर्मुज जलमार्ग को बंद करने की कोशिश की। इसके जवाब में अमेरिका ने ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए बताया कि उनकी नौसैनिक नाकेबंदी विशेष रूप से ईरान और तेहरान के साथ व्यापार करने वालों को लक्षित करेगी। वहीं, अन्य देशों के जहाजों को टोल चुकाने के बाद ही इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजरने की अनुमति दी जाएगी।

यूएई की कड़ी प्रतिक्रिया : यूएई ने इस हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन करार दिया है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने कड़े शब्दों में हमले की निंदा करते हुए कहा कि उनके पास अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है। मंत्रालय ने मृतक भारतीय नाविक के परिवार और भारत सरकार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

वैश्विक बाजार पर असर : विशेषज्ञों का मानना है कि होर्मुज में जारी इस तनाव का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए यह मार्ग दुनिया की लाइफलाइन माना जाता है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते इस सैन्य टकराव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आने की आशंका बढ़ गई है, जिससे भारत सहित कई विकासशील देशों के लिए ऊर्जा संकट पैदा हो सकता है।

बंदर अब्बास में भी अमेरिका का हमला : ईरान के बंदर अब्बास और केश्म द्वीप को अमेरिका ने निशाना बनाया है। ईरान के मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक खुजेस्तान प्रांत में भी हमले हो रहे हैं। यह शहर पेट्रोलियम उद्योग के ललिए मशहूर है। इसके अलावा अहवाज और अंदीमेश्क में भी अमेरिका ने हमले किए हैं। होर्मुज के पास ही स्थित फारुर द्वीप पर भी अमेरिका ने बमबारी की। ऐसे में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में एक बार फिर उछाल दर्ज किया गया है। इन हमलों के बीच अमेरिका के प्रमुख हथियारों के भंडार पर गहरा संकट गहरा रहा है, जो ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों के इसी रफ्तार से जारी रहने पर और बिगड़ सकता है। इससे दुनिया में अन्य जगहों पर भविष्य के संघर्षों से निपटने की उसकी क्षमता को लेकर चिंताएं बढ़ गयी हैं।

जॉर्डन ने ईरान की 4 मिसाइलें हवा में मार गिराई : जॉर्डन की सेना ने ईरान से दागी गई चार मिसाइलों को अपने हवाई क्षेत्र में ही मार गिराया। अल जजीरा के मुताबिक, सभी मिसाइलों को जॉर्डन के एयर डिफेंस सिस्टम ने सफलता के साथ रोक लिया। फिलहाल किसी नुकसान या हताहत की सूचना नहीं है।

ईरान का दावा- अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन मार गिराया : ईरान के सरकारी प्रसारक IRIB के मुताबिक, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया है कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के ऊपर उड़ रहे अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन को मार गिराया है। हालांकि, अमेरिकी सेना और व्हाइट हाउस की ओर से इस दावे पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या पुष्टि नहीं आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि हालिया अमेरिकी हमलों के बाद ईरान की सैन्य ताकत काफी हद तक खत्म हो गई है और देश स्टोन एज जैसी स्थिति में पहुंच गया है।

पाकिस्तान में अफगानों पर कार्रवाई तेज, यूएन ने की जबरन निर्वासन रोकने की अपील

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान ने अफगान प्रवासियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सरकार की ओर से बिना दस्तावेज वाले विदेशी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए दी गई समय-सीमा खत्म होने के बाद अफगान नागरिकों की गिरफ्तारियां और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, दस जुलाई की समय-सीमा खत्म होने के बाद, जिन अफगानों के पास वैध वीजा नहीं है, उन्हें स्वेच्छा से पाकिस्तान छोड़ने के लिए कहा गया था। इसके बाद अब उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है।

इन अफगानों पर होगी कार्रवाई : अमू टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में रह रहे अफगानों का कहना है कि अधिकारी अब सिर्फ बिना दस्तावेज वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि उन अफगानों को भी हिरासत में ले रहे हैं जिनके वीजा या अफगान सिटीजन कार्ड (एसीसी) की अवधि खत्म हो चुकी है। पाकिस्तानी अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में चलाया जा रहा है।

24 घंटे में 4,000 से ज्यादा लोगों को भेजा वापस : पाकिस्तान सरकार के अनुसार, अफगान सिटीजन कार्ड और दूसरे अस्थायी दस्तावेज रखने वाले लोगों को भी देश से वापस भेजा जा सकता है। तालिबान हाई कमीशन फॉर एड्रेसिंग रिटर्नीज इश्यूज के सेक्रेटेरिएट ने कहा कि पिछले सप्ताहांत 24 घंटे के अंदर 4,000 से ज्यादा अफगानों को पाकिस्तान से वापस भेजा गया। पाकिस्तान में रह रहे एक अफगान प्रवासी ने बताया कि कई परिवार अपने वीजा का नवीनीकरण नहीं करा पाए हैं। लगभग एक साल से वीजा मिलना या बढ़वाना बहुत मुश्किल हो गया है। अगर हमें गिरफ्तार करके वापस भेज दिया गया, तो हम सभी जानते हैं कि अफगानिस्तान में हालात कैसे हैं। हमें तालिबान से बदले की कार्रवाई का डर है। अमू टीवी की रिपोर्ट में बताया गया कि पाकिस्तान में रहने वाले एक अफगान पत्रकार के अनुसार, सरकार के इस नए आदेश से अफगान परिवारों में काफी डर और चिंता फैल गई है। पाकिस्तानी मीडिया के आंकड़ों के मुताबिक, 2023 के अंत में पाकिस्तान की वापसी अभियान शुरू होने के बाद से अब तक करीब 25.9 लाख अफगान प्रवासियों और शरणार्थियों को वापस भेजा जा चुका है। पाकिस्तान में रहने वाली एक अफगान पत्रकार ने कहा कि 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद जो लोग पाकिस्तान आए थे, जो लोग 2021 के बाद पाकिस्तान में पनाह लेने आए, वे शरणार्थी हैं, सिर्फ प्रवासी नहीं। उन्हें अफगानिस्तान वापस भेजना उनकी जान के लिए खतरा बन सकता है।

एपल के मुकदमे के बीच फिर भिड़े मस्क-ऑल्टमैनट्रेड, दोनों के बीच हुई तीखी बयानबाजी

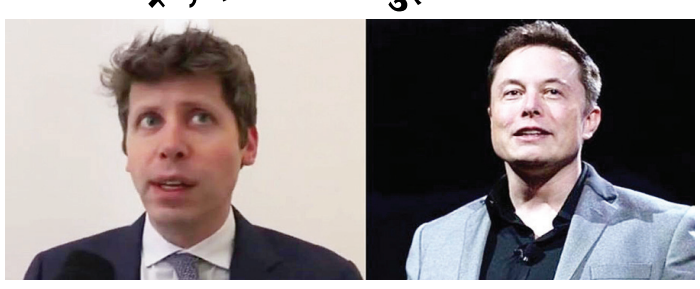

वाशिंगटन, एजेंसी। एआई उद्योग की दो बड़ी हस्तियों एलन मस्क और ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद फिर खुलकर सामने आ गया है। एपल द्वारा ओपनएआई के खिलाफ कथित ट्रेड सीक्रेट चोरी का मुकदमा दायर किए जाने के बाद दोनों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक-दूसरे पर तीखे व्यक्तिगत हमले किए। घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नई तकनीकों, निवेश और बाजार पर वर्चस्व की होड़ लगातार तेज होती जा रही है।

सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार एपल के मुकदमे की खबर सामने आने के बाद एलन मस्क ने एक्स पर सैम ऑल्टमैन को निशाने पर लेते हुए कई पोस्ट किए। उन्होंने ऑल्टमैन पर कटाक्ष करते हुए उन्हें धोखाधड़ी से जोड़ने वाली टिप्पणियां कीं और लगातार कई पोस्ट के जरिए उन पर हमला बोला।

कुछ ही देर बाद ऑल्टमैन ने भी जवाब देते हुए मस्क के दावों और उनके व्यवहार पर तंज कसा। एलन मस्क और सैम ऑल्टमैन ने वर्ष 2015 में अन्य वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ मिलकर ओपनएआई की स्थापना एक गैर-लाभकारी शोध संस्था के रूप में की थी। उद्देश्य सुरक्षित और मानव हित में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास करना था।

ब्रिटेन में मंदिर की जगह मुस्लिमों को बेचने पर विवाद, हिंदू समाज ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई; नीलामी की प्रक्रिया गलत होने का आरोप

लंदन, एजेंसी। लंदन से 120 किमी दूर पीटरबरो में 40 साल पुराने मंदिर और कम्युनिटी सेंटर की बिक्री को पर विवाद हो गया है। पीटरबरो सिटी काउंसिल ने न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स को नीलामी के बाद एक मुस्लिम संस्था, यूनाइटेड किंगडम इस्लामिक मिशन, को बेचने का फैसला किया है। इसी परिसर में भारत हिंदू समाज का मंदिर चलता है, जो शहर और आसपास रहने वाले हजारों हिंदुओं का प्रमुख पूजा और सांस्कृतिक केंद्र है। फैसले से नाराज भारत हिंदू समाज ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर बिक्री प्रक्रिया को चुनौती दी है। भारत हिंदू समाज संगठन का आरोप है कि काउंसिल ने मंदिर की करीब 40 साल पुरानी धार्मिक और सामुदायिक भूमिका को नजरअंदाज किया। नीलामी के मूल्यांकन में भी गंभीर खामियां रहीं। बता दें कि फरवरी 2026 में हाई कोर्ट ने अंतरिम रोक लगाते हुए काउंसिल को बिक्री पूरी करने जैसे

किसी भी कदम से रोक दिया था। अब न्यायिक समीक्षा में यह जांच हो रही है कि फैसला लेने की प्रक्रिया कानून के मुताबिक थी या नहीं। मंदिर प्रबंधन ने साफ किया है कि उसका विरोध मुस्लिम संस्था से नहीं, बल्कि काउंसिल के फैसले और प्रक्रिया से है। अब कोर्ट जांच करेगा कि संपत्ति बेचने का फैसला कानून और समानता के नियमों के मुताबिक लिया गया था या नहीं।

मंदिर बंद होने से 56 किमी दूर जाने को मजबूर होंगे हिंदू : भारत हिंदू समाज का कहना है कि पीटरबरो का यह मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि इलाके के 4,000 हिंदुओं का एकमात्र सामाजिक-सांस्कृतिक केंद्र भी है। यदि यह परिसर बंद होता है, तो हिंदुओं को पूजा-अर्चना व त्योहारों के लिए निकटतम मंदिर (कैंब्रिज-56 किमी) या (लेस्टर-64 किमी) का रुख करना पड़ेगा।

घाटे के चलते बेचने पड़ रहे हैं परिसर, स्पोर्ट्स सेंटर व क्लब : पीटरबरो का विवाद ब्रिटेन में अकेला नहीं है। यहां की काउंसिलें बढ़ते खर्च व कम सरकारी मदद के कारण सामाजिक परिसर, स्पोर्ट्स सेंटर व कम्युनिटी भवन बेचकर बजट संभाल रही हैं। 2025 के 'की सिटीज' सर्वे में 60% काउंसिलों ने संपत्ति बिक्री को घाटा भरने का रास्ता बताया। बर्मिंघम को 24-25 का बजट संतुलित करने के लिए 2,883 करोड़ रु. की संपत्तियां बेचने का लक्ष्य रखना पड़ा। नॉटिंघम का 2025-26 घाटा 267 करोड़ और चार वर्षों का कुल अनुमानित अंतर 689 करोड़ रु. था।

नीलामी में खामियां, समीक्षा बिना मंजूरी दी गई : भारत हिंदू समाज का आरोप है कि बिक्री के दौरान दोनों पक्षों की बोलियों का ठीक मूल्यांकन नहीं हुआ। अदालत में संगठन ने कहा कि काउंसिल ने जांच और स्कोरिंग में गलतियां कीं। इसके बाद काउंसिल सदस्यों ने उन्हीं सिफारिशों को पड़ताल के बिना स्वीकार कर लिया।

सऊदी अरब ने सना एयरपोर्ट पर बरसाई मिसाइलें, ट्रंप के समर्थन के बाद हूतियों से सीधी भिड़ंत

सना, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में तनाव अब केवल होर्मुज तक सीमित नहीं रह गया है। खाड़ी क्षेत्र में एक नया और विनाशकारी मोर्चा खुल गया है, जहां सऊदी अरब और यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोही एक-दूसरे पर मिसाइलें बरसा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब ने यमन की राजधानी सना के हवाई अड्डे को निशाना बनाया है, जिससे पूरे क्षेत्र में युद्ध की लपटें तेज हो गई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, साल 2022 के बाद दोनों पक्षों के बीच यह सबसे गंभीर सैन्य टकराव है, जो लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष विराम के पूरी तरह टूटने का संकेत है।

सना एयरपोर्ट पर हमला : यह भीषण हमला उस वक्त हुआ जब ईरान की 'माहान एयरलाइंस' का एक विमान सना एयरपोर्ट पर लैंड करने की कोशिश कर रहा था। सऊदी अरब ने हवाई पट्टी पर मिसाइलें दागकर विमान की लैंडिंग को रोकने का प्रयास किया।

गौरतलब है कि यह उड़ान एक दशक से अधिक समय बाद तेहरान से सना के बीच संचालित की गई थी, जिसमें हूतियों का एक उच्च स्तरीय डेलिगेशन सवार था, जो ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रहा था। सऊदी अरब को संदेह है कि ऐसी उड़ानों के जरिए ईरान हूतियों तक हथियार और सैन्य सलाहकार पहुंचा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप का सऊदी को खुला समर्थन : इस सैन्य कार्रवाई के पीछे कूटनीतिक हलचल भी तेज है। अमेरिकी समाचार वेबसाइट 'एक्सियोस' की रिपोर्ट के अनुसार, हमले से पहले सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर विस्तार से चर्चा की थी।

बताया जा रहा है कि क्राउन प्रिंस ने हूतियों के खिलाफ इस बड़ी कार्रवाई के लिए अमेरिका से सैन्य और कूटनीतिक समर्थन मांगा था, जिसे ट्रंप ने स्वीकार कर लिया। अमेरिका ने बताया है कि वह अपने सहयोगी सऊदी अरब के साथ खड़ा है, जिससे सऊदी के हौसले बुलंद हैं।

हूतियों ने किया पलटवार : सऊदी के मिसाइल हमले के जवाब में हूतियों ने भी चुप बैठने के बजाय आक्रामक रुख अपनाया है। हूतियों ने सऊदी अरब के विभिन्न ठिकानों पर जवाबी मिसाइलें दागीं और चेतावनी दी है कि यदि उनके विमानों को रोका गया, तो वे सऊदी अरब के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। हूतियों का आरोप है कि सऊदी अरब नागरिक उड़ानों को बाधित कर अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है।

बवाल में बालेन: जेन ज़ेड ने बनाया, कहीं वही गिरा ना दे नेपाल की सरकार; क्यों सड़कों पर उतरे युवा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बालेन शाह ने अभी कुछ महीने पहले ही प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है और उनकी सरकार के खिलाफ विरेध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। केपी शर्मा ओली की सरकार के खिलाफ जेन ज़ेड ने ही जबरदस्त विरोध किया और फिर सरकार ही गिर गई। इसके बाद बालेन शाह के नेतृत्व में नई सरकार बनी। हालांकि अब युवा बालेन शाह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और सड़कों पर उतर चुके हैं। नेपाल की सरकार ने काठमांडू में नदी किनारे बनी अवैध बस्तियों को हटाने का फैसला किया है। इसके विरोध में एक शख्स ने आत्मदाह कर लिया और उसकी मौत हो गई।

जिन लोगों ने बनवाई सरकार, उनको ही लगी हथकड़ी : अभी बालेन शाह की सरकार को 104 दिन ही बीते हैं। विरोध प्रदर्शनों को रुकवाने के लिए पुलिस ने लोगों को हिरासत में लेना शुरू किया। कई ऐसे नेताओं को हिरासत में लिया गया है जो कि जेन ज़ेड आंदोलन के मुख्य चेहरे रहे हैं और बालने शाह की सरकार बनवाने में उनकी प्रमुख भूमिका थी। आंदोलन के प्रमुख चेहरों में रहे माजिद अंसारी को पुलिस की कार्रवाई में चोटें आई हैं और उनका इलाज चल रहा है। बालेन शाह ने काठमांडू में नदी किनारे बनी अवैध बस्तियों को हटाने का अभियान चला दिया है और पुलिस और सेना की तैनाती कर दी है। ऐसे में बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। नेपाल की सरकार ने उनको बसाने का भी कोई प्लान नहीं बनाया है। ऐसे में लोगों का कहना है कि पहले इन लोगों के रहने का इंतजाम करना चाहिए था। बेदखली अभियान के तहत हजारों घर तोड़े गए हैं। इसी वजह से लोगों का गुस्सा सरकार के खिलाफ फूटा है और युवा सड़कों पर उतर आए हैं। लोग बालेन शाह के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।

रविवार को बड़ी संख्या में लोग काठमांडू के माइतीघर में इकट्ठा हुए थे। लोग सरकार से मांग कर रहे थे कि जिन के घर उजाड़े जा रहे हैं उन्हें फिर से बसाया जाए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ना सिर्फ उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है बल्कि पुलिस की हिरासत में बुरी तरह प्रताड़ित किया जाता है। नेपाल की पुलिस ने इन प्रदर्शनों की अगुआई कर रहे माजिद अंसारी और सरिश्मा थापा को हिरासत में ले लिया। इसके बाद लोगों का रोष और भी बढ़ गया। बालेन शाह काठमांडू के मेयर भी रह चुके हैं। तभी से उनकी निगाह में यह काम चढ़ा हुआ था।

अरब सागर में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में अमेरिकी पायलट की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अरब सागर में जुलाई की शुरुआत में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में नौसेना के एक पायलट की मौत हो गई। अब ईरान युद्ध में मरने वाले अमेरिकी सैन्य कर्मियों की आधिकारिक संख्या बढ़कर 14 हो गई है। सोमवार तक संघर्ष में घायल सैनिकों की संख्या भी बढ़कर 400 से अधिक हो गई है।

नौसेना ने क्या बताया : अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने बताया कि उनमें से अधिकांश को मस्तिष्क में गंभीर चोटें आई हैं। नौसेना ने शुरू में 1 जुलाई की दुर्घटना को आपातकालीन लैंडिंग बताया और कहा कि 'इस बात का कोई संकेत नहीं है कि आपात स्थिति शत्रुतापूर्ण कार्रवाई के कारण हुई थी। दुर्घटना के तुरंत बाद हेलीकॉप्टर में सवार बाकी तीन नाविकों को बचा लिया गया।

पेंटागन के युद्ध हताहतों की गिनती में जुलाई में एक गैर-शत्रुतापूर्ण मौत दर्ज की गई। मार्च में युद्ध की शुरुआत में अलग-अलग घटनाओं में 13 सैन्यकर्मियों की मौत के बाद यह पहली मौत है जिसे दर्ज किया गया है। पहली घटना कुवैत में एक कमांड सेंटर पर ईरानी ड्रोन हमले की थी जिसमें छह सैनिक मारे गए थे। इसके बाद सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर हुए हमले में घायल होने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद एक सैनिक की मौत हो गई। इराक में ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों में सहायता कर रहे एक चष्ट-135 ईंधन भरने वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से छह और सैनिक मारे गए।

कितने सैनिक घायल हुए : सोमवार को घायल हुए अमेरिकी वायु सेना के एक जवान समेत कुल 414 सैन्यकर्मी घायल हुए हैं। ईरान और अमेरिका ने हमले फिर से शुरू कर दिए हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि क्या

इसी वजह से वायुसैनिक घायल हुआ है।

अधिकांश चोटों को कारण क्या है : अमेरिकी केंद्रीय कमान ने उस खास वायुसैनिक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन युद्ध में होने वाली अधिकांश चोटों का कारण बनने वाली मस्तिष्क की गंभीर चोटें, लड़ाकू बलों, विशेष रूप से मिसाइल हमलों और पास में होने वाले विस्फोटों का सामना करने वाले बलों के बीच एक बढ़ती हुई समस्या है। हालांकि इस चोट के साथ ही साथ पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, 9/11 के बाद के युग के दिग्गजों के बीच प्रमुख घावों में से एक बन गई है, लेकिन सैनिकों पर इसका प्रभाव, विशेष रूप से दीर्घकालिक, अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है। घायल सैनिकों के नए आंकड़ों के बारे में क्या बताया? सोमवार को गंभीर रूप से घायल सैनिकों के नवीनतम आंकड़ों के बारे में पूछे जाने पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड की प्रवक्ता मेजर एम्मा थॉम्पसन ने कहा कि उनके पास कोई अपडेट नहीं है। उन्होंने दोहराया कि घायल सैनिकों में से लगभग सभी ड्यूटी पर लौट आए हैं। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि कितने सैनिक इतने गंभीर रूप से घायल हुए हैं कि उन्हें क्षेत्र से निकालने की आवश्यकता पड़ी है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'संबंध रख, नहीं तो जान से मार दूंगा'

सूरत में 21 वर्षीय युवती से चाकू की नोक पर दुष्कर्म मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर युवती ने की आत्महत्या

सुसाइड नोट के आधार पर आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन तलंगपुर क्षेत्र से एक बेहद सनसनीखेज और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। 21 वर्षीय युवती ने एक युवक द्वारा लगातार किए जा रहे कथित यौन शोषण, धमकियों और मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, युवती द्वारा छोड़े गए चार पन्नों के सुसाइड नोट के आधार पर सचिन जीआईडीसी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सचिन जीआईडीसी पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपी मुमताज रबील अहमद को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी विवाहित है और उसका एक बच्चा भी है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले का निवासी है तथा वर्तमान में सूरत के सचिन तलंगपुर रोड पर रहकर लेबर कॉन्ट्रैक्टर का काम करता था।

मृतक युवती अपनी बहन के साथ आरोपी के अधीन मजदूरी करने जाती थी। इसी दौरान आरोपी ने कथित रूप से युवती की आर्थिक मजबूरी का फायदा उठाना शुरू किया।

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, आरोपी पिछले लगभग छह महीनों से युवती पर प्रेम संबंध बनाने का दबाव डाल रहा था। युवती लगातार इसका विरोध कर रही थी और संबंध नहीं रखना चाहती थी। आरोप है कि युवती के इनकार से नाराज आरोपी उसे बार-बार चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी देता था। पुलिस के अनुसार, एक अवसर पर उसने चाकू की नोक पर युवती के साथ जबरन दुष्कर्म किया। इसके बाद भी वह कथित रूप से युवती को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करता रहा तथा उसके साथ मारपीट भी करता था।

लगातार मिल रही धमकियों, कथित उत्पीड़न और सामाजिक बदनामी के डर से युवती गहरे मानसिक तनाव में आ गई थी। पुलिस के अनुसार, 7 जुलाई को उसने अपने घर में पंखे से दुपट्टा बांधकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

शुरुआत में मामला सामान्य आत्महत्या का प्रतीत हुआ, लेकिन बाद में युवती द्वारा लिखे गए चार पन्नों के सुसाइड नोट में कथित उत्पीड़न और आरोपी के बारे में विस्तार से जानकारी मिलने पर पुलिस ने मामले की दिशा बदल दी।

युवती की आत्महत्या के बाद सचिन जीआईडीसी पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर आरोपी मुमताज रबील अहमद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं के तहत दुष्कर्म, आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण (उकसाने) तथा मामले की परिस्थितियों के अनुसार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सूरत पुलिस आयुक्त के निर्देश पर जांच वरिष्ठ अधिकारी को सौंपी गई है। पूरे प्रकरण की जांच एसीपी एस.डी. तरड़े कर रहे हैं। पुलिस आरोपी का रिमांड लेकर अतिरिक्त साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया में है, ताकि अदालत में मजबूत आरोपपत्र (चार्जशीट) प्रस्तुत किया जा सके।

वहीं, पीड़िता के परिजनों ने आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा, यहां तक कि फांसी की सजा देने की मांग की है।

डाकघर और पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

बारडोली,पीपलोड स्थित पासपोर्ट कार्यालय और नानपुरा डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी वाला ई-मेल

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री द्वारा पैगंबर मोहम्मद के कथित अपमान का बदला लेने का दावा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में आज (15 जुलाई) सुबह लगभग 5 बजे एक धमकी भरा ई-मेल मिलने से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। ई-मेल में तमिल और तेलुगु फिल्म उद्योग की अभिनेत्री निवेथा पेथुराज का उल्लेख करते हुए दावा किया गया कि उन्होंने पैगंबर मोहम्मद का कथित अपमान किया है।

ई-मेल भेजने वाले ने कथित रूप से इस अपमान का बदला लेने की बात कहते हुए धमकी दी कि दोपहर 1:30 बजे पीपलोड स्थित पासपोर्ट कार्यालय और नानपुरा स्थित मुख्य डाकघर में सायनाइड गैस और आरडीएक्स बम के जरिए विस्फोट किए जाएंगे। ई-मेल में मुसलमान कर्मचारियों को कार्यालय से बाहर निकालने की मांग भी की गई थी।

धमकी भरा ई-मेल मिलते ही दोनों सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों और अपने काम से पहुंचे लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस, डॉग स्क्वाड और बम निरोधक दस्ते की टीमें तत्काल दोनों स्थानों पर पहुंच गईं।

सुरक्षा के मद्देनज़र दोनों इमारतों को खाली कराया गया और पूरे परिसर की गहन तलाशी ली गई।

गौरतलब है कि सूरत में इस प्रकार की यह पहली घटना नहीं है। इससे दो दिन पहले भी जिला अदालत को बम से उड़ाने की धमकी वाला ई-मेल मिला था।

हालांकि, कई घंटों तक चले व्यापक तलाशी अभियान के बाद पासपोर्ट कार्यालय और डाकघर दोनों जगहों से कोई भी संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई। इसके बाद अधिकारियों और कर्मचारियों ने राहत की सांस ली।

पुलिस के अनुसार, हाल के समय में गुजरात के विभिन्न स्कूलों और सरकारी कार्यालयों को भी इस तरह के धमकी भरे ई-मेल प्राप्त हुए हैं। इन मामलों की जांच सूरत पुलिस की क्राइम ब्रांच और साइबर सेल द्वारा की जा रही है।

फिलहाल यह जांच की जा रही है कि ई-मेल किसने और कहां से भेजा तथा इसके पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या था। जांच एजेंसियां ई-मेल के स्रोत और भेजने वाले की पहचान करने का प्रयास कर रही हैं। अभी तक किसी भी विशेष संगठन या समूह से इस ई-मेल के संबंध की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बारडोली में डाकघर और पासपोर्ट कार्यालय को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की गंभीर धमकी मिली है। धमकी भरे ई-मेल में सायनाइड गैस से भरे आईईडी (IED) बम का इस्तेमाल करने का दावा किया गया, जिसके बाद प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सतर्क हो गईं।

ई-मेल भेजने वाले ने लिखा था कि 'दोपहर 1:15 बजे तक कार्यालय खाली करा दें, अन्यथा बम विस्फोट होगा।' इस धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल एहतियाती कदम उठाए।

धमकी मिलने के बाद दोनों कार्यालयों को सुरक्षा के मद्देनज़र अस्थायी रूप से खाली करा दिया गया। पासपोर्ट कार्यालय के अधिकारियों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते (बम डिस्पोजल स्क्वाड) की टीम मौके पर पहुंची और कार्यालय परिसर की गहन तलाशी शुरू की। आसपास के क्षेत्रों में भी पुलिस द्वारा जांच की गई।

फिलहाल दोनों कार्यालय खाली करा दिए गए हैं और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस लगातार निगरानी कर रही है। इस घटना के बाद लोगों में चिंता का माहौल है।

पुलिस ई-मेल के स्रोत और उसे भेजने वाले व्यक्ति की पहचान करने के लिए जांच कर रही है। अभी तक किसी विस्फोटक सामग्री के मिलने या धमकी के सत्य होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पांडेसरा में महिला अधिकारी पर सफाई कर्मचारियों को अपमानित करने का आरोप

आशा पटेल ने कहा- 'क्या तुम्हें घर पर खाना नहीं मिलता?' कर्मचारियों का जवाब- 'हम रोज़ 200 रुपये कमाते हैं, भीख नहीं मांगते'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका के पांडेसरा क्षेत्र में रात्रि पाली में कार्यरत महिला सफाई कर्मचारियों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में महिला कर्मचारी अपने ही वार्ड की सैनिटरी सब-इंस्पेक्टर (SSI) आशा पटेल पर गंभीर आरोप लगाते हुए नाराजगी जाहिर कर रही हैं।

सोनल रोड कार्यालय में नाइट शिफ्ट के दौरान ड्यूटी पर मौजूद सफाई कर्मचारियों का आरोप है कि वे रात में ईमानदारी से कचरा साफ कर टेम्पो भर रहे थे। इसी दौरान वार्ड की महिला अधिकारी ने उनके साथ कथित रूप से अपमानजनक और अमानवीय व्यवहार किया। कर्मचारियों का कहना है कि भोजन जैसी बुनियादी आवश्यकता को लेकर सार्वजनिक रूप से उन्हें ताने दिए गए, जिससे वे आहत हुए।

वायरल वीडियो में महिला सफाई कर्मचारी बताती हैं कि रात में एक वरिष्ठ अधिकारी उनके लिए भोजन के पैकेट लेकर आए थे। लंबे समय तक काम करने के बाद भूख लगने पर उन्होंने वह भोजन किया।

कर्मचारियों के अनुसार, इस बात पर एसएसआई आशा पटेल ने कथित तौर पर उनसे कहा, 'क्या तुम लोग घर से खाना खाकर नहीं आए? क्या तुम्हें घर में खाना नहीं मिलता?'

महिला कर्मचारियों का कहना है कि आज तक किसी अधिकारी ने उनके साथ इस तरह का व्यवहार नहीं किया। उनका कहना है कि वे भीख नहीं मांग रहे थे, बल्कि अधिकारी द्वारा दिया गया भोजन ही खा रहे थे। इसके बावजूद उनके साथ कथित रूप से अपमानजनक भाषा में बात की गई, जिससे उन्हें मानसिक रूप से ठेस पहुंची।

विवाद केवल कहासुनी तक सीमित नहीं रहा। वीडियो में महिला कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि सफाई कार्य को लेकर विवाद बढ़ने पर एसएसआई आशा पटेल ने अपने पुत्र और एक अन्य व्यक्ति को कार्यालय बुलाया। कर्मचारियों का आरोप है कि कार्यालय परिसर में पहुंचने के बाद अधिकारी के पुत्र ने उन्हें धमकाया। उन्होंने सवाल उठाया कि, 'हम सरकारी कर्मचारी हैं, तो यहां अधिकारी के बेटे का क्या काम था? क्या वह हमें डराने या मारने के लिए आया था?'

कर्मचारियों ने यह भी कहा कि रात के समय वहां केवल सात-आठ कर्मचारी मौजूद थे, जिससे उनकी सुरक्षा को लेकर भी चिंता पैदा हुई।

महिला कर्मचारियों का कहना है कि वे नियम के अनुसार अपनी आठ घंटे की ड्यूटी पूरी निष्ठा से निभाती हैं। उनके अनुसार, उस रात भी उन्होंने कड़ी मेहनत कर कचरे के तीन बड़े टेम्पो भर दिए थे।

इसके बावजूद उनका आरोप है कि अधिकारी ने उनसे कहा, 'तुम्हें सुबह तक घर नहीं जाने दूंगी, सुबह तक यहीं काम करवाऊंगी।'

कर्मचारियों ने कहा कि वे घर से खाना खाकर ही ड्यूटी पर आते हैं, लेकिन पूरी रात काम के दौरान यदि भूख लग जाए तो कुछ खा लेना क्या अपराध है? उनका कहना है कि मजदूरों से अमानवीय तरीके से काम नहीं कराया जाना चाहिए।

अपने अधिकारों की बात रखते हुए कर्मचारियों ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान जब पूरा देश घरों में था, तब पांडेसरा के सफाई कर्मचारी सुबह पांच बजे तक अपनी जान जोखिम में डालकर सड़कों की सफाई करते थे।

एक महिला कर्मचारी ने वीडियो में कहा, 'हमें रोज़ सिर्फ 200 रुपये मिलते हैं। इतना कम मेहनताना मिलने के बावजूद हम पूरी नाइट शिफ्ट में ईमानदारी से काम करते हैं, फिर भी हमें इतना अपमान क्यों सहना पड़ता है?'

घटना का वीडियो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद नागरिकों में भी इस कथित व्यवहार को लेकर नाराजगी देखी जा रही है।

सफाई कर्मचारी संगठनों ने इस मामले की निष्पक्ष जांच कराने और एसएसआई आशा पटेल के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल इन आरोपों पर संबंधित अधिकारी की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है और मामले की आधिकारिक जांच या निष्कर्ष की प्रतीक्षा है।

दो बुजुर्ग महिलाओं के लिए फरिश्ता बनी 181 अभयम टीम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर से मानवता और त्वरित सहायता के दो भावुक मामले सामने आए हैं। सड़क पर भटक रही और मानसिक तनाव से जूझ रही दो असहाय बुजुर्ग महिलाओं के लिए 181 अभयम महिला हेल्पलाइन संकट की घड़ी में सहारा बनी। जागरूक नागरिकों की सतर्कता और अभयम टीम की संवेदनशील काउंसलिंग से एक ओर आत्महत्या का विचार कर रही बुजुर्ग महिला की जान बचाई गई, वहीं दूसरी ओर दो दिनों से भूखी-प्यासी भटक रही निराश्रित वृद्धा को सुरक्षित आश्रय दिलाया गया।

एक को आत्महत्या से बचाया तो दूसरी निराश्रित महिला को वृद्धाश्रम में दिलाया आश्रय

हादसे का शिकार हुई फायर ब्रिगेड टीम ने ही बचाई जान

सूरत में ओएनजीसी ब्रिज से लौट रही फायर ब्रिगेड की गाड़ी में ट्रक ने मारी टक्कर, केबिन में फंसे चालक का किया रेस्क्यू

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में एक हैरान कर देने वाली और मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी घटना सामने आई है। आग बुझाने के लिए गई फायर ब्रिगेड की टीम जब वापस लौट रही थी, तभी उसकी गाड़ी को एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। इसके बावजूद, स्वयं दुर्घटना का शिकार हुई फायर ब्रिगेड की टीम ने तुरंत रेस्क्यू अभियान चलाकर ट्रक चालक की जान बचाई।

घटना के अनुसार, रूंढ फायर स्टेशन के वॉटर बाउजर (GJ-05-GV-3731) को ओएनजीसी ब्रिज पर एक वाहन में आग लगने की सूचना कंट्रोल रूम से मिली थी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। हालांकि, रास्ते में कंट्रोल रूम से दूसरी सूचना मिली कि वाहन में लगी आग बुझ चुकी है, जिसके बाद टीम को वापस फायर स्टेशन लौटने के निर्देश दिए गए।

कंट्रोल रूम के निर्देश के बाद जब फायर ब्रिगेड की टीम लौट रही थी, तभी भाटपोर जीआईडीसी के पास नदी की ओर स्थित फायर स्टेशन के सामने तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक (GJ-14 X 7012) ने फायर ब्रिगेड के वाहन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

हादसे में ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और 29 वर्षीय चालक लक्ष्मीशंकर रामभालन बिंद केबिन में स्टीयरिंग के बीच फंस गया। वह गंभीर रूप से घायल था और दर्द से कराह रहा था।

अपनी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त होने के बावजूद फायर ब्रिगेड के जवानों ने बिना समय गंवाए रेस्क्यू अभियान शुरू किया। उन्होंने कटर मशीन की मदद से ट्रक का स्टीयरिंग काटा और काफी मशक्कत के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड की टीम ने तुरंत कंट्रोल रूम को दी। साथ ही इस संबंध में इच्छापुर पुलिस स्टेशन में ट्रक चालक के खिलाफ कानूनी शिकायत दर्ज कराई गई है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए डिविजनल ऑफिसर (डी.ओ.), डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर तथा चीफ फायर ऑफिसर (सीएफओ) को भी पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट भेजकर अवगत कराया गया है।

1 साल की टैक्स छूट, 1 लाख रुपये तक की सहायता और राहतकारी ऋण सूरत के बाढ़ प्रभावित व्यापारियों के लिए सरकार की घोषणा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में 6 जुलाई को हुई मूसलाधार बारिश और उसके कारण आई भीषण बाढ़ से हजारों व्यापारी और छोटे व्यवसायी बुरी तरह प्रभावित हुए थे। दुकानों और गोदामों में बाढ़ का पानी घुस जाने से करोड़ों रुपये का माल नष्ट हो गया। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने सूरत के व्यापारियों के लिए एक विशेष राहत पैकेज की घोषणा की है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार बाढ़ प्रभावित व्यापारियों को 7,500 रुपये से लेकर 1,00,000 रुपये (1 लाख रुपये) तक की प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। बाढ़ के कारण जिन व्यापारियों का व्यवसाय पूरी तरह ठप हो गया है, उन्हें दोबारा अपना कारोबार शुरू करने में मदद देने के लिए सरकार ने नकद सहायता के साथ-साथ ऋण सुविधा की भी घोषणा की है। राहत पैकेज के तहत प्रभावित व्यापारियों को 30 लाख रुपये तक का ऋण रियायती शर्तों पर उपलब्ध कराया जाएगा। इस ऋण पर सरकार विशेष ब्याज सहायता भी देगी। इस निर्णय से बीमा सुरक्षा से वंचित हजारों छोटे केबिन संचालकों, रेहड़ी-पटरी और ठेला व्यवसायियों को भी बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। सरकारी तंत्र द्वारा युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य चलाया गया है। अब तक सूरत शहर के 19,000 से अधिक नागरिकों को नकद सहायता (कैश डोल) तथा घरेलू सामान के नुकसान का मुआवजा सीधे उनके बैंक खातों में जमा कराया जा चुका है। इसके अलावा, जो लोग पहली मंजिल पर रहते थे और जिनके घरों में पानी नहीं घुसा था, लेकिन बाढ़ के कारण काम-धंधा बंद रहने से वे अपनी नौकरी या रोजगार पर नहीं जा सके और उनकी आय प्रभावित हुई, ऐसे जरूरतमंद परिवारों को भी इस राहत योजना के दायरे में शामिल किया गया है।